23 अगस्त 2024 | मूल्य ₹10

बाल भास्कर

भारत की अंतरिक्ष गाथा
पेज 04-05

सच्चा उपहार
पेज-08

रंग-बिरंगी, सुंदर 'पूंछ'
पेज 38-39

तीन मछलियां
पेज -31

सम्पादकीय

नमस्ते दोस्तो ! 'शांत मन से लिया गया हर निर्णय आपको सही परिणाम देता है।।' बहुत कम शब्दों में कही गई यह बात बहुत गहरा अर्थ देती है। आज के समय में जल्दबाजी और उतावलेपन में लिए जाने वाले फैसले बहुत दुखदायी होते हैं, वहीं शांत मन और धैर्य से लिए गए फैसलों का नतीजा अच्छा होता है। इस बात पर हमेशा अमल कीजिए। अब आइए बात करें आज के अंक की। इसमें हमेशा की तरह आपके लिए हैं शिक्षाप्रद कहानियां- 'सच्चा उपहार' और 'कैच द रेन', कॉमिक्स- 'घोड़े का मूल्य'। नेशनल स्पेस डे पर आर्टिकल - भारत की 'अंतरिक्ष गाथा', इनके अलावा एक्टिविटी, क्विज, चुटकुले तो हैं ही, जो आपका भरपूर मनोरंजन करेंगे। तो मिलते हैं अगले अंक में, तब तक के लिए अलविदा।

आप बाल भास्कर के फेसबुक और इन्स्टाग्राम पेज से भी जुड़ सकते हैं-
bal bhaskar

मेरी चिट्ठी

26 जुलाई का बाल भास्कर का अंक मिला, बहुत खुशी हुई, जिसमें जंगल की शान टाइगर की रोचक जानकारी, बारिश का मजा, 'सबका बादल' कहानी और मेडल के बारे में दी हुई जानकारी बहुत पसंद आई।

दीपक सीरवी, 12 साल
कर्नाटक(मैसूर)

मुझे 12 जुलाई का अंक बहुत पसंद आया। इसमें 'बारिश का अलर्ट' वाला लेख अच्छा लगा। साथ ही 'नन्हे बादल' की कहानी से अच्छी शिक्षा मिली। बाल भास्कर को इस सुंदर अंक के लिए धन्यवाद।

सना सैनी, 14 साल
अलवर(राजस्थान)

कविता

वर्षा की जुगलबंदी

डॉ. शिराली रूनवाल
ग्वालियर(म.प्र.)

बादल ने बूंदों को छाना,
आसमान ने गाया गाना।
मिट्ठू चुगते मकई का दाना,
बया बुन रही ताना-बाना।
मोर नाचते स्टाइल नाना,
ता-ता थैया कथक घराना।
इंद्रधनुष-सा समां सुहाना।
घर तो लगता, कैदी-खाना,
रोक-टोक का नहीं जमाना।
छतरी तक ने भीगना ठाना,
बचपन ढूंढे नया बहाना।
बारिश में भी धूम मचाना।।

कैनवास winner
गर्वित दुबे
दतिया(म.प्र.)

टीम बाल भास्कर
- **सम्पादकीय**
  इंदिरा त्रिवेदी
  अनामिका मंडल
- **चीफ डिजाइनर**
  मोहम्मद ताज सुलेमान
- **चित्रांकन**
  संजीब मोइत्रा

क्या है कहां

पेज 10 कॉमिक्स
पेज 22 माथा-पच्ची
पेज 35 टेक्नोलॉजी

आप अपनी एन्ट्रीज हमें वाट्सएप भी कर सकते हैं
814 186 6633

दैनिक भास्कर समूह
7-14 साल के बच्चों के लिए
बाल भास्कर
की कॉपी मंगाने के लिए
08955 955 996
पर मिस्ड कॉल दें।

अंक-12 वर्ष-19 प्रकाशक एवं मुद्रक कमलकांत शर्मा द्वारा मालिक डी बी कॉर्प लिमिटेड के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, 10-11 सेक्टर-बी, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा से मुद्रित एवं 6 द्वारका सदन, प्रेस कॉम्प्लेक्स एमपी नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित। रजिस्टर्ड नं. एम.पी.एच.आई.एन./2007/21419 **सम्पादक**- इंदिरा त्रिवेदी। email- **balbhaskar@dbcorp.in**

क्विज

बताइए तो जरा!

नीचे तर्कशक्ति के कुछ आसान-से प्रश्न दिए गए हैं। दिमाग पर डालिए थोड़ा जोर और बताइए सही उत्तर। तो हो जाइए शुरू-

1 एक खास कोड में RAIL को 5796 लिखा जाता है और TAPE को 3748 लिखा जाता है, उस कोड में PAIR को कैसे लिखा जाता है?

(अ) 4795
(आ) 4785
(इ) 3795
(ई) 8795

2 A की मां B की बहन है और C की बेटी है। D बेटी है B की और बहन है E की, तो C का E से क्या सम्बन्ध है?

(अ) मां
(आ) बहन
(इ) पिता
(ई) नाना या नानी

3 X और Y दोनों बच्चे हैं, यदि Z, X का पिता है परन्तु Y, Z का पुत्र नहीं है, तो Y और Z में क्या सम्बन्ध है ?

(अ) बहन तथा भाई
(आ) भान्जी तथा मामा
(इ) पुत्री तथा पिता
(ई) भतीजी तथा चाचा

4 एक कक्षा में सोहन का स्थान ऊपर से सातवां है और नीचे से छब्बीसवां है, कक्षा में कुल कितने विद्यार्थी हैं?

(अ) 30
(आ) 32
(इ) 34
(ई) 35

5 'सुमा' उमा से छोटी है, 'नेहा' सुमा से लम्बी है, 'सुधा' उमा से लम्बी है लेकिन हेमा से छोटी है। 'उमा' नेहा से लम्बी है, इनमें से सबसे लम्बा कौन है?

(अ) उमा
(आ) हेमा
(इ) नेहा
(ई) सुधा

6 यदि पुस्तक को घड़ी कहें, घड़ी को बैग, बैग को शब्दकोश और शब्दकोश को खिड़की कहें तो पुस्तकें ले जाने के लिए किस शब्द का उपयोग करेंगे?

(अ) बैग
(आ) पुस्तक
(इ) घड़ी
(ई) शब्दकोश

उत्तर - पेज 34 पर

नेशनल स्पेस डे
23 अगस्त

भारत की अंतरिक्ष गाथा

23 अगस्त को सरकार ने 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' (National Space Day) घोषित किया है। इस वर्ष यानी वर्ष 2024 में पहला 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' मनाया जाएगा। आइए जानें 'नेशनल स्पेस डे' की खास बातें-

क्या हुआ था इस दिन

पिछले वर्ष 23 अगस्त 2023 को भारत का चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास की सतह पर सफलतापूर्वक उतरा था। इसी के साथ भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहला और चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बन गया।

मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम देने में एस. सोमनाथ, पी. वीरा मुथुवेल, एस. उन्नीकृष्णन, ए राजराजन, एम संकरन, ऋतु कारिधाल श्रीवास्तव आदि वैज्ञानिकों का योगदान था।

"राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस" मनाने की घोषणा

भारत सरकार ने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता का सम्मान करने के लिए 23 अगस्त को आधिकारिक तौर पर "राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस" घोषित किया है। इसके तहत विक्रम लैंडर की सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग कराई गई थी तथा 23 अगस्त, 2023 को प्रज्ञान रोवर को चंद्रमा की सतह पर तैनात किया गया था।

इस साल (2024) की थीम

इस साल 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' की थीम रखी गई है "Touching Lives while Touching the Moon-India's Space Saga" (चांद को छूते हुए जीवन को छूना : भारत की अंतरिक्ष गाथा)

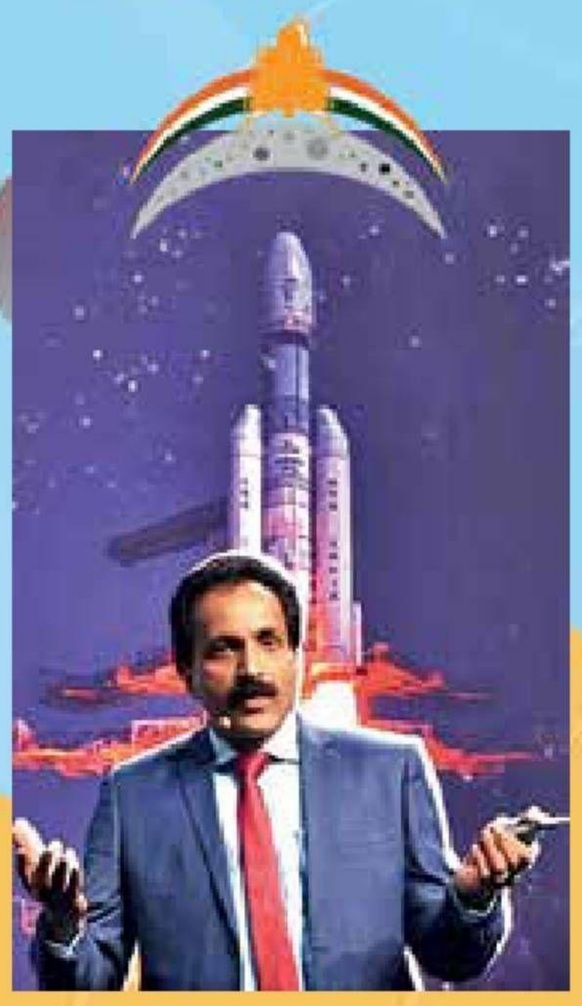

पहली बार मनाया जाएगा

23 अगस्त 2024 को इसरो पहला नेशनल स्पेस डे मनाने जा रहा है। इस बात की घोषणा इसरो प्रमुख डॉ. एस सोमनाथ ने की। साथ ही, भारत सरकार ने भारत के अंतरिक्ष मिशनों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को उजागर करने और देश के युवाओं को प्रेरित करने के लिए एक महीने का अभियान भी शुरू किया।

क्या-क्या कार्यक्रम होंगे

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भारत मंडपम दिल्ली में दो दिवसीय समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें अनेक उच्चस्तरीय सत्र, इंटरैक्टिव एग्जीबिशन और भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों से संबंधित महत्वपूर्ण घोषणाएं की जाएंगी।

पहले दिन, 22 अगस्त को भारत मंडपम में आयोजित भव्य कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। आकर्षक प्रदर्शनी भी लगेगी।

दूसरे दिन यानी 23 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाया जाएगा, इस दिन प्रमुख घोषणाएं की जाएंगी तथा चंद्रयान-4 एवं अन्य सहित नई परियोजनाओं के मॉडल का अनावरण भी किया जाएगा।

यह भी जानिए

इसरो को पहले भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (इन्कोस्पार) के नाम से जाना जाता था।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (Indian Space Research Organisation, ISRO) भारत का राष्ट्रीय अंतरिक्ष संस्थान है। इसका मुख्यालय कर्नाटक राज्य के बेंगलुरु में है।

डॉ. विक्रम ए. साराभाई के नेतृत्व में वर्ष 1962 में भारत सरकार द्वारा इसकी स्थापना की गई थी।

15 अगस्त 1969 को एक संगठन के रूप में इसका पुनर्गठन किया गया और इसे वर्तमान नाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (Indian space research organisation) इसरो कहा जाने लगा।

पहेलियां बूझिए

दीनदयाल शर्मा, हनुमानगढ़(राजस्थान)

नीचे राज्य-पक्षियों पर आधारित पहेलियां दी गई हैं।
इन्हें पढ़िए, समझिए और दीजिए इनके सही जवाब।

1

राजस्थान का राज्य पक्षी,
घने घास में पाए।
गर इसका शिकार करे,
दस साल जेल में जाए।।

2

पंजाब का राज्य पक्षी,
उड़ना-तैरना आए।
नजर है जिसकी इतनी पैनी,
शिकार बच न पाए।।

3

असम का है राज्य पक्षी,
सर्वाहारी कहाती।
पंख कभी न भीगे इसके,
जब यह जल में जाती।।

4

झारखंड का राज्य पक्षी,
केवल नर ही गाए।
कीड़े-मकौड़े भोजन जिसका,
नीड़ बना न पाए।।

5

यू.पी. का है राज्य पक्षी,
बीज, कंद, अन्न खाए।
नर-मादा एक दूजे के लिए,
अंत तक साथ निभाए।।

6

ओडिशा, कर्नाटक,
तेलंगाना का,
राज्य पक्षी कहाए।
नीला गला है नाम का
कारण,
बिच्छू - मकड़ी खाए।।

उत्तर - पेज 34 पर

हंसी का कोना

हंसते रहिए

चिंटूः मैं कल से स्कूल नहीं जांऊगा, मास्टर जी को कुछ आता ही नहीं है।
पापाः क्यों, ऐसा क्या हो गया?
चिंटूः वो सारे सवालों के जवाब मुझसे ही पूछते हैं।

भिखारीः कुछ खाने को दे दो बेटा...।
खट्टूः बाबा कल की रोटी खा लोगे?
भिखारीः हां खा लूंगा...।
खट्टूः तो ठीक है कल आ जाना।

गप्पूः मम्मी एडमिशन फॉर्म में आ ई डें टि फि के श न मार्क क्या लिखूं?
मम्मीः लिख दो 'हाथ में मोबाइल....'

यमराज(महिला से)ः चलो मैं तुम्हें लेने आया हूं।
महिलाः बस मुझे दो मिनट दे दो
यमराजः दो मिनट... ! दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी?
महिलाः सोशल मीडिया पर स्टेटस डालना है 'Traveling to Yamlok'

चिंटू स्टेशनरी शॉप पर जाकर बोलाः 'अंकल प्रिंटर के लिए पेपर देना।'
दुकानदारः A4?
चिंटूः A4 एप्पल ! अब जल्दी से पेपर दे दो अंकल, स्कूल के लिए देर हो रही है।

फुहार

6 बजे का अलार्म लगा के 5: 59 पे उठकर उसे बंद करके वापस सोने में ऐसी फीलिंग आती है, जैसे बम डिफ्यूज कर दिया गया हो।

सच्चा उपहार

दिनेश विजयवर्गीय, बूंदी(राजस्थान)

अविका का जन्मदिन जैसे-जैसे पास आ रहा था, उसकी खुशी भी बढ़ती जा रही थी। परसों उसका जन्मदिन है। वह पढ़ाई के साथ जन्मदिन की तैयारी में भी जुटी रहती। आज शाम वह पापा के संग बाजार जाकर अपनी पसंद की ऑरेंज कलर की फ्रॉक और क्लास के दोस्तों के लिए चॉकलेट और कलर बॉक्स भी ले आई।

तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली अविका पढ़ाई में अच्छे नंबर लाने वाले बच्चों में से थी। उसे हमेशा परीक्षा में ए-प्लस ग्रेड मिलता। अविका की एक अच्छी बात यह थी कि वह स्कूल से घर आने के कुछ समय बाद ही अपना होमवर्क पूरा करने में जुट जाती और कोई परेशानी होती तो पापा व दीदी की सहायता से उसे दूर कर लेती। जन्मदिन पर अविका को मम्मी ने अपने हाथों से नई फ्रॉक पहनाई। छोटे बैग में कक्षा के बच्चों को गिफ्ट देने वाली टॉफी व कलर बॉक्स रख दिए। जब वह पापा के साथ स्कूल जाने को हुई तो दादाजी ने भी एक पैकेट उसे देते हुए कहा - 'इसमें पच्चीस बाल पत्रिकाएं हैं। इन्हें भी तुम बच्चों को बांट देना। बच्चे इन्हें पाकर अपना मनोरंजन भी करेंगे और ज्ञान की बातें भी जानेंगे।'

पापा के साथ स्कूटर पर बैठ अविका स्कूल पहुंची तो उसे देख क्लास के सभी साथियों और क्लास टीचर सोनल मैडम ने तालियां बजाकर जन्मदिन की बधाई दी। अविका ने सभी को थैंक्स कहते हुए मैडम के पैर छुए तो उन्होंने भी उसे बांहों में भर आशीर्वाद दिया।

अविका ने क्लास के सभी बच्चों को टॉफी और कलर बॉक्स गिफ्ट दी। फिर उसने मैडम की टेबल पर दादाजी द्वारा दी गई बाल पत्रिकाओं का पैकेट रख दिया।

मैडम ने पैकेट खोल चिकने कागज पर छपी रंगीन चित्रों वाली बाल पत्रिकाओं को देखा। पत्रिका में कहानी, कविता और जनरल नॉलेज बढ़ाने वाली बातें थीं। उन्होंने इसे बच्चों के लिए उपयोगी और संस्कार देने वाली पत्रिका बताया। इनमें कई रचनाएं अविका के दादाजी द्वारा लिखी हुई थीं। मैडम ने सभी बच्चों को बुलाकर एक-एक पत्रिका बांट दी। हर बच्चा पत्रिका को पढ़ सके और उसका लाभ ले सके इसके लिए हर तीन दिन में पत्रिका एक-दूसरे से बदलने को कहा। इससे सभी बच्चों को पत्रिका के हर अंक को पढ़ने का अवसर मिलेगा। बच्चे पत्रिका पाकर बहुत खुश थे।

मैडम ने अविका के जन्मदिन पर बच्चों के लिए इतनी अच्छी पत्रिका देने के लिए उसके दादाजी का आभार जताते हुए इसे बच्चों के लिए 'सच्चा उपहार' बताया और एक बार फिर अविका को जन्मदिन की ढेर सारी बधाई दी। ▪▪

CONTEST!

चित्र देखो कहानी लिखो

प्रतियोगिता-18

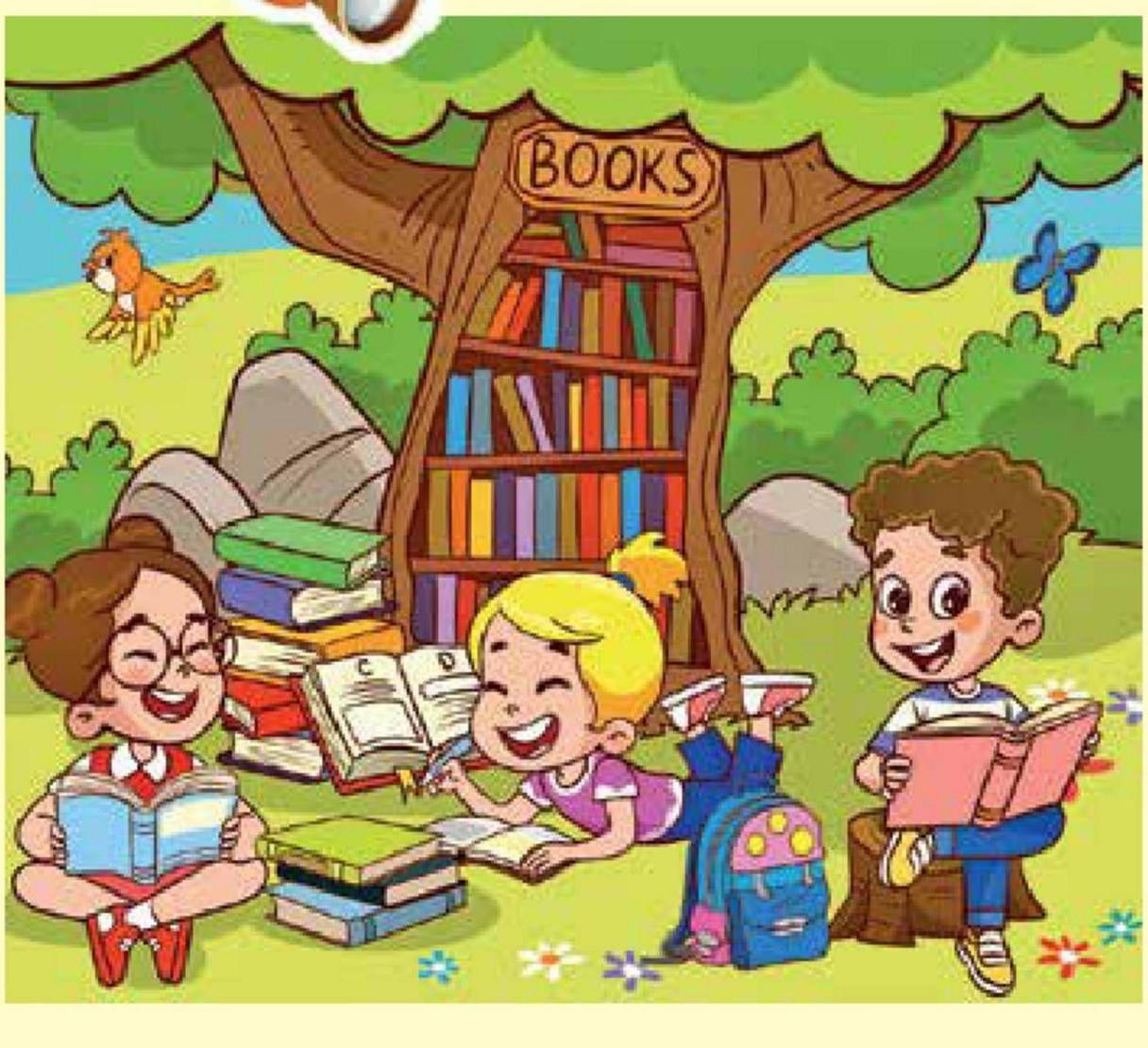

दोस्तो ! अगर आपकी उम्र 7 से 14 साल है, तो दिए गए चित्र को देखकर 100 से 150 शब्दों में कहानी लिखिए और 10 दिनों के अंदर अपनी पूरी डिटेल के साथ हमें वॉट्सएप या ई-मेल कीजिए। विजेताओं को मिलेंगे आकर्षक पुरस्कार और उनकी कहानियों को प्रकाशित भी किया जाएगा।

email- balbhaskar@dbcorp.in

आप अपनी एन्ट्रीज हमें वाट्सएप भी कर सकते हैं 814 186 6633

प्रतियोगिता-17 अंक 26 जुलाई Winners

पर्यावरण की प्रेरणा

निधि, 10 साल, रोहतक(हरियाणा)

जिज्ञासा अपनी गली के बच्चों के साथ बाहर बारिश का आनंद ले रही है। दरअसल, जिज्ञासा दीदी का असली मकसद तो उन सभी बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी देना है। सभी बच्चों ने एक स्वर में कहा- दीदी हमें बारिश बहुत रोमांचित करती है। दीदी ने मुस्कुराकर कहा- हां बिल्कुल ठीक कहा। यह मोती रूपी वर्षा धरा पर प्रत्येक प्राणी व पेड़-पौधे के लिए जीवनदायिनी है। बारिश का मौसम पौधे रोपने के लिए सबसे अच्छा समय होता है। मैं और मेरे मम्मी-पापा पौधरोपण अभियान चलाने जा रहे हैं। हमारे प्रिय समाचार पत्र दैनिक भास्कर द्वारा 'एक पेड़ एक अभियान' के तहत आगामी दिनों में लाखों घरों तक बीज पहुंचाए जाएंगे। मैं भी कुछ पौधों के साथ कुछ बीज आप सभी को दूंगी। सभी बच्चों ने उत्साहित होकर दीदी को कहा- धन्यवाद दीदी ! अब हम सब भी अपने मम्मी-पापा के साथ पौधे रोपेंगे।

बारिश के मजे

कुमारी रेशमी, 12 साल
कोरिया(छ.ग.)

रीमा और टिंकू दोनों भाई-बहनों ने अभी-अभी स्कूल जाना शुरू किया है। बारिश का मौसम आने ही वाला है, इसलिए पापा टिंकू के लिए रेनकोट और रीमा के लिए छाता खरीदकर लाए और कहा- स्कूल आते-जाते समय यदि बारिश होने लगे तो रेनकोट पहन लेना। दोनों ने एक साथ कहा- ठीक है पापा। रीमा और टिंकू सोच रहे थे कि काश बारिश शुरू हो जाए तो हम खूब खेलें।

एक दिन दोनों छुट्टी के बाद दोस्तों के साथ घर वापस आ रहे थे। रास्ते में एक गार्डन पड़ता था, जहां वे सब छुट्टी के बाद थोड़ी देर खेलते, फिर घर आते। आज भी सभी पार्क में खेल रहे थे कि अचानक बादल छाने लगे और थोड़ी देर में झमाझम बारिश शुरू हो गई। बच्चे खुश हो गए और रेनकोट पहनने लगे। रीमा के पास छाता था, उसने छाता खोल लिया। सब खूब मजे कर रहे थे। थोड़ी देर में बारिश कम हो गई और सभी अपने-अपने घर चले गए।

घोड़े का मूल्य

संजीव कुमार आलोक
बिहार

चित्रांकनः संजीब मोइत्रा

एक राजा था। उसका एक बड़ा ही होनहार लड़का था। वह माता-पिता का लाड़ला और प्रजा का प्यारा था।

एक बार उस राज्य में महामारी फैल गई। राज्य को महामारी से बचाने के लिए राजा अधिक समय तक अपने महामंत्री के साथ मंत्रणागृह में बैठ महामारी से बचाव की योजना बनाते। राज्य की पूरी आय महामारी से बचाव में खर्च की जा रही थी।

ऐसे ही समय में उस राज्य में घोड़ों का एक सौदागर पहुंचा। मुख्य द्वार के बाहर उसने अपना डेरा डाला। शाम को राजकुमार घूमने निकला तो उसकी नजर घोड़ों पर पड़ी।

रात को भोजन करते समय उसने अपने पिता से कहा-

पिताजी, घोड़ों का एक सौदागर आया है। उसके पास एक बहुत ही अच्छी नस्ल का पंच कल्याणी घोड़ा है। मुझे वह बहुत पसंद आया है।

कितनी कीमत कहता है?

राजकुमार ने बतलाया-

केवल तीन स्वर्ण मुद्राएं।

बहुत ज्यादा कीमत है बेटा। अभी घोड़ा खरीदने का इरादा छोड़ दो।

छह महीने बाद राजकुमार के पिता महामारी से राज्य को बचाने में कामयाब हो गए। राज्य का खजाना फिर से भर गया। पूरे राज्य में खुशियां छा गईं।

एक वर्ष बाद घोड़ों का वही सौदागर घूमते-फिरते फिर राज्य की राजधानी में पहुंचा। शाम को राजकुमार घूमने निकला तो मुख्य द्वार के बाहर उसी सौदागर पर उसकी नजर पड़ी। वह पंच कल्याणी घोड़ा भी सौदागर के साथ ही था।

राजकुमार की अभिलाषा जागी। उसने सौदागर से बातचीत की, घोड़े को चढ़कर उसे फेरा उसकी चाल परखी। मन बड़ा खुश हुआ।

दूसरे दिन राजकुमार ने डरते-डरते अपने पिता को बतलाया-

पिताजी, घोड़ों का वही सौदागर आया है। मेरी पसंद का वह पंच कल्याणी घोड़ा अभी तक बिका नहीं है।

राजा ने खुश होकर कहा-

कितनी कीमत कहता है सौदागर?

तीन सौ स्वर्ण मुद्राएं।

तब तो बड़ा सस्ता है, बेटा। जरूर खरीद लेना चाहिए यह घोड़ा।

घोड़ा तुरंत खरीदकर लाया गया। जब पिता-पुत्र दोनों उसे देखकर अस्तबल से महल की ओर लौटे तो राजकुमार ने राजा से विस्मित होकर पूछा-

राजा मुस्कुराए और बोले -

मेरी एक शंका को दूर कीजिए पिताजी...।

कहो

पिछले साल जब यही घोड़ा केवल तीन स्वर्ण मुद्राओं में मिल रहा था तो आपने इसे महंगा बतलाया था, पर इस साल इसकी कीमत तीन सौ स्वर्ण मुद्राएं कही गई तो आपने सस्ता कहकर इसे खरीद लिया। ऐसा क्यों पिताजी?

राजा ने राजकुमार की पीठ थपथपाते हुए कहा-

बेटा ! पिछले साल राज्य में महामारी फैली हुई थी। उस समय सबसे पहले राज्य की जनता को बचाने की आवश्यकता थी। अपना शौक पूरा करने के लिए तीन स्वर्ण मुद्राएं फेंकना भी सचमुच बड़ा महंगा था।

पर इस साल हमारा कोष लबालब भरा है। राज्य में सुख-शांति है। इस साल तीन सौ तो क्या तीन लाख स्वर्ण मुद्राओं में भी अगर हम ऐसा घोड़ा खरीदें तो सस्ता ही पड़ेगा।

वस्तु का महंगा और सस्ता होना परिस्थिति को देख-समझकर आंका जाता है, बेटा !

जी बहुत अच्छी तरह समझ गया पिताजी।

समाप्त

शब्दों का पिटारा

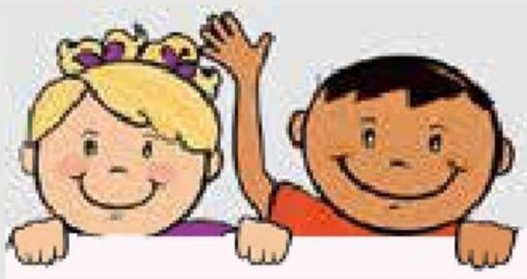

नीचे दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

1. एक महीने में होने वाला -

2. तीन महीने में होने वाला -

3. पंद्रह दिनों में होने वाला -

4. जो मधुर बोलता है -

5. जो बहुत कम बोलता है-

6. आयोजन करने वाला -

7. अपने देश से प्यार करने वाला -

8. एक भाषा को दूसरी भाषा में लिखना या कहना -

9. एक सप्ताह में होने वाली -

10. जो पढ़ने योग्य हो -

उत्तर - पेज 34 पर

11. कम खर्च करने वाला -

12. किसी कार्य को बार-बार करना -

13. किसी भी बात को जानने की इच्छा -

14. गांव का रहने वाला -

वर्ल्ड कोकोनट डे

नारियल एक फायदे अनेक

हर साल 2 सितंबर को 'वर्ल्ड कोकोनट डे' सेलिब्रेट किया जाता है। आइए जानें नारियल के फायदों के बारे में-

विश्व नारियल दिवस 2 सितंबर 2009 से हर साल मनाया जा रहा है।

इसको मनाने का उद्देश्य नारियल की पैदावार तथा उत्पादकता को बढ़ावा देना है।

कोकोनट हर तरह से उपयोगी है। पॉलिथिन की जगह हम इसके छिलकों से बने थैले और बैग का उपयोग कर सकते हैं।

विश्व में नारियल का उत्पादन करने वाले देशों में भारत के अलावा इंडोनेशिया, ब्राजील, श्रीलंका और फिलीपींस आदि शामिल हैं। इसके अलावा फिजी, पापुआ न्यू गिनी, केन्या, थाईलैंड में भी कोकोनट भारी मात्रा में पैदा होता है।

नारियल के रेशे से रस्सियां, मैट और गद्दे भी बनाए जाते हैं।

सूखे नारियल का उपयोग तेल, साबुन, कॉस्मेटिक्स आदि बनाने में किया जाता है।

नारियल का पानी हमारे शरीर को कई गंभीर रोगों से लड़ने की ताकत देता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर में पानी की कमी को पूरा कर उसे हाइड्रेट रखने में मदद करता है, इसलिए डिहाइड्रेशन हो तो नारियल पानी पीना चाहिए।

इसमें विटामिन सी, पोटैशियम और मैग्नीशियम पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।

नारियल हम कच्चा भी खा सकते हैं, साथ ही इससे कई प्रकार के पकवान तथा मिठाइयां भी बनाई जाती हैं। नारियल के दूध से भी कई प्रकार के व्यंजन बनाए जाते हैं।

खबरें देश- दुनिया से

श्रेयस बने ब्रिटेन के सबसे युवा ग्रैंड मास्टर

हाल ही में भारतीय मूल के शतरंज खिलाड़ी 15 साल के श्रेयस रॉयल ब्रिटेन के सबसे युवा ग्रैंड मास्टर बन गए हैं। उन्होंने ब्रिटिश चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहकर ग्रैंड मास्टर टाइटल अपने नाम किया। इससे पहले ब्रिटेन के सबसे युवा ग्रैंड मास्टर 2007 में 16 साल के डेविड हॉवेल बने थे। बेंगलुरु में जन्मे श्रेयस पिता के जॉब की वजह से तीन साल की उम्र में लंदन चले गए थे। उन्होंने खेल की शुरुआत 7 साल की उम्र में शुरू की थी और एक साल में ही पहला यूरोपियन टाइटल जीता था। वे 2017 में यूरोपियन यूथ अंडर-8 चेस चैंपियन बने थे।

धृति अमेरिका की आर्मी में सिलेक्ट

पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के रायपुर की धृति गुप्ता एक लाख लड़कियों को पीछे छोड़कर अमेरिका की आर्मी में सिलेक्ट हुई हैं। सैन्य अधिकारी बनने की उनकी ट्रेनिंग से लेकर पढ़ाई का खर्च अमेरिका की सेना ही उठा रही है। 12वीं पास करते ही उन्हें वायुसेना में चुना गया था और 2 लाख डॉलर की स्कॉलरशिप भी मिली। इसके एक माह बाद ही वे अमेरिका की आर्मी में चुन ली गईं।

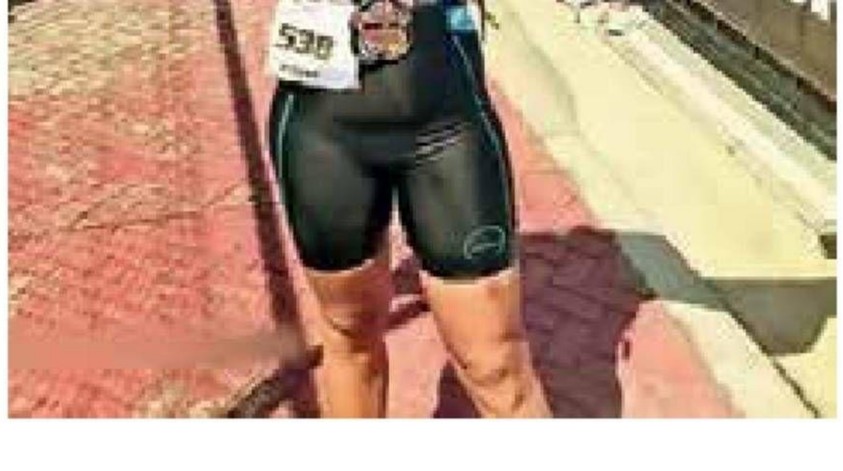

भारत की सबसे कम उम्र की फीमेल एथलीट

भोपाल(म.प्र.) में रहने वाली कक्षा 12वीं की छात्रा 18 वर्षीय पावनी सपकाल ने 11 अगस्त को फिलीपींस में आयोजित आयरनमैन 70.3 ट्राइथलॉन को मात्र 7 घंटे 22 मिनट में पूरा किया। इस तरह वे भारत की सबसे कम उम्र की फीमेल एथलीट बन गई हैं। आयरनमैन 70.3 एक इंटरनेशनल ट्राइथलॉन है, जिसमें खुले सागर में 1.9 किमी स्वीमिंग, 90 किमी साइकिलिंग और 21.1 किमी रनिंग, ये तीनों चैलेंज एक के बाद 8 घंटे 30 मिनट के भीतर करने होते हैं। इस चैलेंज को पावनी ने 7 घंटे 22 मिनट में ही पूरा कर लिया।

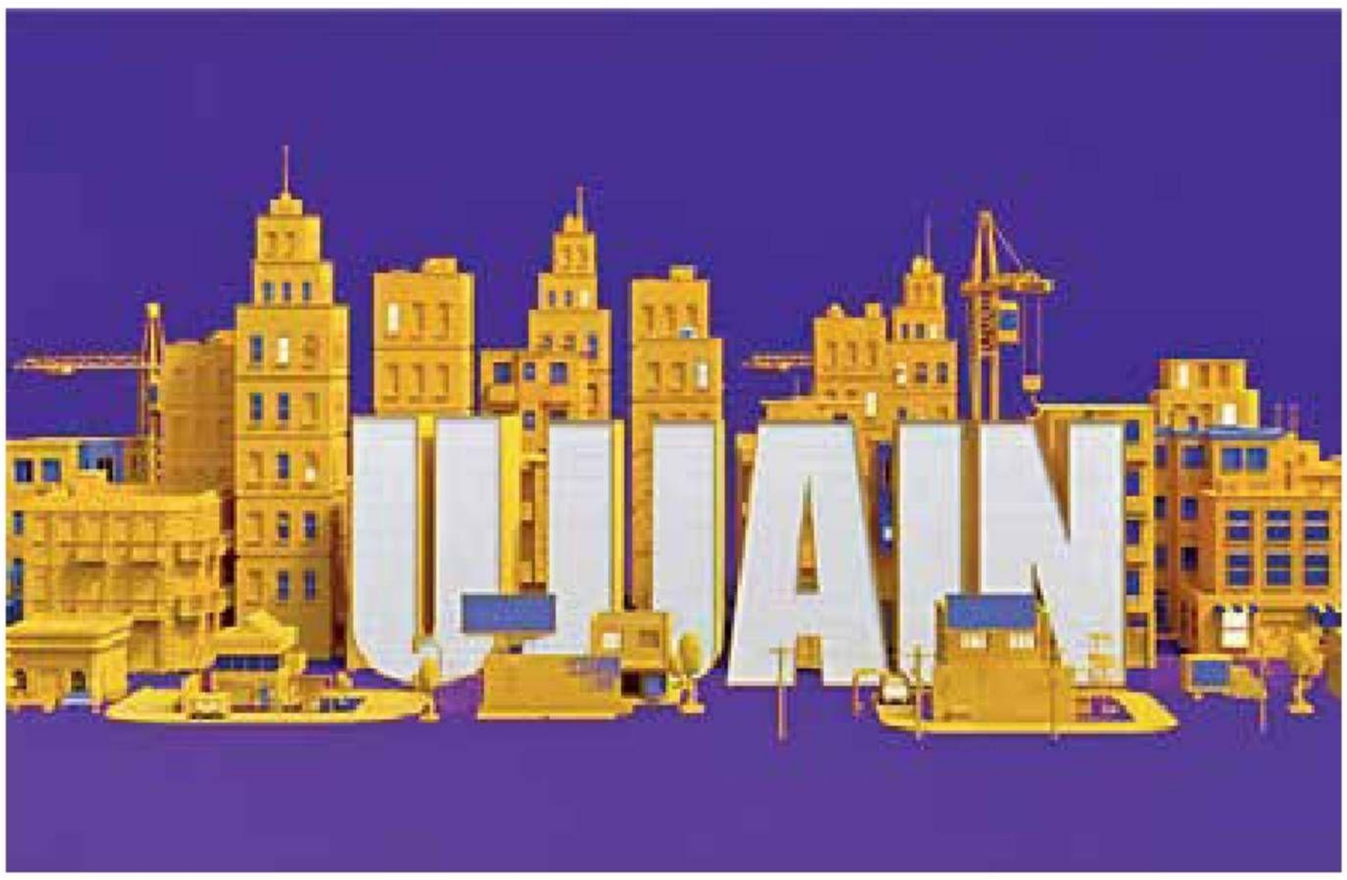

म.प्र. की पहली थ्री-डी बिल्डिंग !

मध्यप्रदेश में वातावरण के अनुकूल इको फ्रेंडली थ्री-डी बिल्डिंग के कॉन्सेप्ट की शुरुआत प्रदेश सरकार ने पिछले दिनों कर दी। प्रदेश की पहली थ्री-डी बिल्डिंग उज्जैन में बन रही है, जो जल संसाधन विभाग की पहली दो मंजिला थ्री-डी बिल्डिंग होगी। यहां सफल होने के बाद पूरे प्रदेश में इस कॉन्सेप्ट को लागू करने की योजना है।

डॉगी के लिए परफ्यूम !

इटली के डिजाइनर डोल्से और गब्बाना ने कुत्तों का परफ्यूम लॉन्च किया है। परफ्यूम का नाम फेफे है और इसकी 100 मिलीलीटर की बोतल की कीमत लगभग 9 हजार रुपए है। परफ्यूम की हरे रंग की शीशे की बोतल पर 24 कैरेट गोल्ड प्लेटेड डॉगी का पंजा भी बनाया गया है।

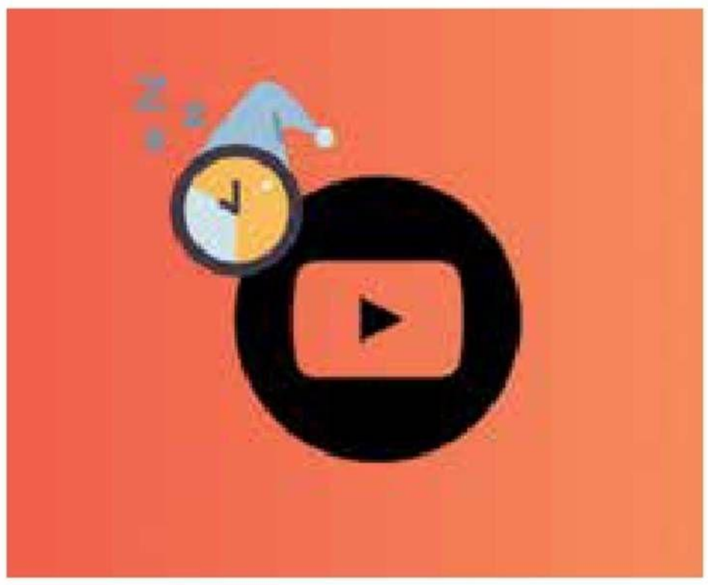

नया फीचर आया 'स्लीप टाइमर'

यू-ट्यूब पर जल्दी ही 'स्लीप टाइमर' फीचर आने वाला है। इसकी टेस्टिंग चल रही है। कई बार लोग वीडियो देखते-देखते सो जाते हैं। ऐसे में अब 10 मिनट से लेकर 60 मिनट के बाद प्लेबैक रोकने का विकल्प रहेगा। वीडियो खत्म होने पर ऑटो प्लेबैक भी रोका जा सकेगा। फिलहाल ये फीचर प्रीमियर यूजर्स के लिए है।

यूनिवर्सिटी ने 'एआइ' कोर्स शुरू किए

प्रदेश में बड़े प्रोजेक्ट, हाईवे निर्माण और खेती में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआइ) का दखल बढ़ेगा। काम में गड़बड़ी की गुंजाइश कम रहेगी। इस तरह तकनीक बदलाव को देखते हुए डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी एआइ इंजीनियर तैयार कर रहा है। विवि ने एआइ से जुड़े कोर्स शुरू किए हैं।

कहानी

कैच द रेन

ललित शौर्य, पिथौरागढ़(उत्तराखंड)

गर्मियों के दिनों में गांव में पानी का संकट पैदा हो जाता था। पानी की कमी के कारण चारों ओर त्राहि-त्राहि मची रहती। शुभम भी हर साल इस परेशानी से दो-चार होता। उसके घर में भी दूसरे या तीसरे दिन पानी आता था इसलिए नहाने व कपड़े धोने के लिए पानी की कमी हो जाती। खेत में लगाई गई सब्जी, छोटे पौधे, पानी की कमी के कारण मुरझा जाते। शुभम घर से दूर नदी या तालाब से पानी लाता, लेकिन वहां भी पानी बहुत कम हो चुका था।

एक दिन वह घर में बैठा कुछ सोच रहा था। तभी-

'क्या हुआ शुभम, क्या सोच रहे हो?' दादाजी ने पूछा

'कुछ नहीं दादाजी, बस ऐसे ही' शुभम ने कहा

'कोई बात तो है, जो तुम्हें परेशान कर रही है। मुझे बताओ, शायद तुम्हारी परेशानी का हल निकल आए' दादाजी ने कहा

'दादाजी, मैं बस हर साल गर्मियों में पानी की कमी से होने वाली परेशानी के बारे में सोच रहा हूं। आखिर यह परेशानी कब खत्म होगी?' शुभम दुखी होकर बोला

'बेटा तुम्हारी बात बिल्कुल सही है। यह समस्या बहुत बड़ी है। इसके लिए हमें 'कैच द रेन' मूवमेंट का हिस्सा बनना पड़ेगा', दादाजी ने कहा

'कैच द रेन? ये क्या है दादाजी? इससे पहले तो मैंने ये कभी नहीं सुना। इसके बारे में कुछ बताइए न !' शुभम ने दादाजी से उत्सुकता से पूछा

'बेटा ये एक सरकारी अभियान है, जिसके तहत जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है, खासकर वर्षा जल के संरक्षण के लिए लोगों से कहा जा रहा है।' दादाजी ने बताया

'कैच द रेन, क्या हम बारिश को पकड़ सकते हैं?' शुभम ने आश्चर्य से पूछते हुए कहा

'जरूर बेटा क्यों नहीं, बारिश के पानी को पकड़ा जा सकता है। ऐसी कई तकनीक हैं, जिनके माध्यम से वर्षा जल को संरक्षित किया जा सकता है। RWHS

निर्माण से भी वर्षा जल बचाया जा सकता है।' दादाजी ने बताया। 'दादाजी ये RWHS क्या होता है?' शुभम ने उत्सुकता से पूछा-

'बेटा, RWHS का मतलब है रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर। वर्षा जल संचयन संरचना। घर की छतों में ऐसी संरचना बनाकर वर्षा का पानी बचाया जा सकता है। इसमें घरों की छत के पानी का निकास पाइप द्वारा एक बड़े टैंक में किया जाता है, जिसमें पानी जमा हो जाता है। साथ ही, जंगलों अथवा मैदानों में बड़े तालाब बनाए जा सकते हैं। पुरानी ताल तलैयों, बावड़ियों और कुओं को वर्षाकाल में पुनर्जीवित किया जा सकता है। इन सब बातों की जानकारी 'कैच द रेन' अभियान के तहत दी जा रही है।' दादाजी ने बताया

'वाह ! ये तो बहुत ही अच्छा है दादाजी, वर्षा के जल का उपयोग कैसे कर सकते हैं?' शुभम ने प्रश्न करते हुए कहा।

'बेटा, वर्षा के जल का उपयोग बर्तन धोने, कपड़े धोने, साग-सब्जी, पेड़-पौधों की सिंचाई के लिए कर सकते हैं। इससे हमारी पानी की जरूरत का एक बड़ा हिस्सा पूरा हो सकता है। इस तरह हमें परेशान नहीं होना पड़ेगा।' दादाजी ने बताया

'वाह दादाजी ! हमें भी वर्षा जल का संरक्षण करना चाहिए, जिससे पानी के लिए हमें इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा।' शुभम ने कहा

'जरूर बेटा, इस बार हम भी घर की छत पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनाएंगे। फिर हमें पानी की परेशानी नहीं होगी। इसके साथ ही हमें पानी के अनावश्यक उपयोग से भी बचना होगा। बेवजह पानी बर्बाद नहीं करना होगा।' दादाजी ने कहा

'आप ठीक कहते हैं दादाजी, इस बार हम भी बारिश को पकड़ ही लेंगे।' शुभम ने मुस्कराते हुए कहा

अभी दोनों बात कर ही रहे थे कि तभी बाहर बादलों के गरजने की आवाज आने लगी। शायद बारिश होने वाली थी। बादलों की आवाज सुनकर शुभम खिड़की की ओर दौड़ पड़ा। अब वह बारिश को पकड़ने के लिए बहुत उत्सुक था। ▪▪

मनु भाकर

शूटिंग से रच दिया इतिहास

बाल भास्कर
23 अगस्त 2024

पेरिस ओलिंपिक में भारतीय शूटर मनु भाकर ने एक ही ओलिंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रच दिया है। आइए जानते हैं उनकी उपलब्धियों के बारे में-

मनु भाकर का जन्म 18 फरवरी, 2002 को हरियाणा के झज्जर जिले के गोरिया गांव में हुआ था।

मनु हमेशा से एक मेहनती खिलाड़ी रही हैं। उन्होंने ठान लिया था कि मुझे शूटिंग करनी है और देश के लिए खेलना है।

एक वक्त ऐसा भी था, जब मनु को किराए की पिस्तौल लेनी पड़ी थी। इसका जिक्र उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान किया था और कहा था- 'मेरे कॅरियर के शुरुआती दौर में जब मेरे पास मेरी खुद की पिस्टल नहीं थी, तब मैंने विनीत सर की पिस्टल किराए पर ली थी और मुझे यह भी नहीं पता था कि ट्रिगर कितना अंदर दबाना होता है। तब मुझे ग्रिप बनाने में भी काफी दिक्कत होती थी।'

इनके पिता मरीन इंजीनियर और मां स्कूल में प्रिंसिपल हैं।

इतनी मुश्किलों के बावजूद मनु ने हार नहीं मानी और ठान लिया कि मुझे निशानेबाजी ही करनी है और उसके लिए वो कुछ भी कर सकती हैं, बस जरूरत है तो उस जुनून की जो उसे सफलता दिला सकती है और वो जुनून मनु के अंदर पहले से ही था।

खेल जीवन और उपलब्धियां

2017 मनु भाकर ने साल 2017 में केरल में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इसी वर्ष एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में उन्होंने रजत पदक जीता था।

2018 साल 2018 के इंटरनेशनल स्पोर्ट्स शूटिंग जूनियर वर्ल्ड कप में भाकर ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया और सबसे कम उम्र में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय बनीं।

साल 2018 में ही उन्होंने आईएसएसएफ जूनियर विश्वकप में दो बार स्वर्ण पदक जीता।

राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने 16 साल की उम्र में 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक हासिल किया था।

2020 मनु ने 2020 में टोक्यो ओलिंपिक में भी क्वालिफाई किया था।

साल 2020 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पेरिस ओलिंपिक में मनु का प्रदर्शन

- पेरिस ओलिंपिक में मनु भाकर ने दो पदक जीते। 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भाकर ने ओलिंपिक में भारत का खाता खोला था।
- मनु फाइनल में टॉप थ्री में रहीं, लेकिन बाद में प्रदर्शन खराब रहा। वे हंगरी की वेरोनिका मेजर के साथ हुए शूटऑफ के बाद चौथे स्थान पर रहीं और ब्रॉन्ज मेडल जीता।
- डबल मिक्स में भी उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ एक और कांस्य पदक जीता है। किसी भी ओलिंपिक में एक साथ दो मेडल जीतने वाली वह पहली खिलाड़ी हैं।
- पेरिस ओलिंपिक 2024 के समापन समारोह में ध्वज वाहक के रूप में मनु भाकर को चुना गया था।

क्रॉसवर्ड पूरा कीजिए

यहां शरीर के अंगों के चित्र नंबर के साथ दिए गए हैं। इनके नामों को सही बॉक्स में भरकर क्रॉसवर्ड पजल पूरी कीजिए।

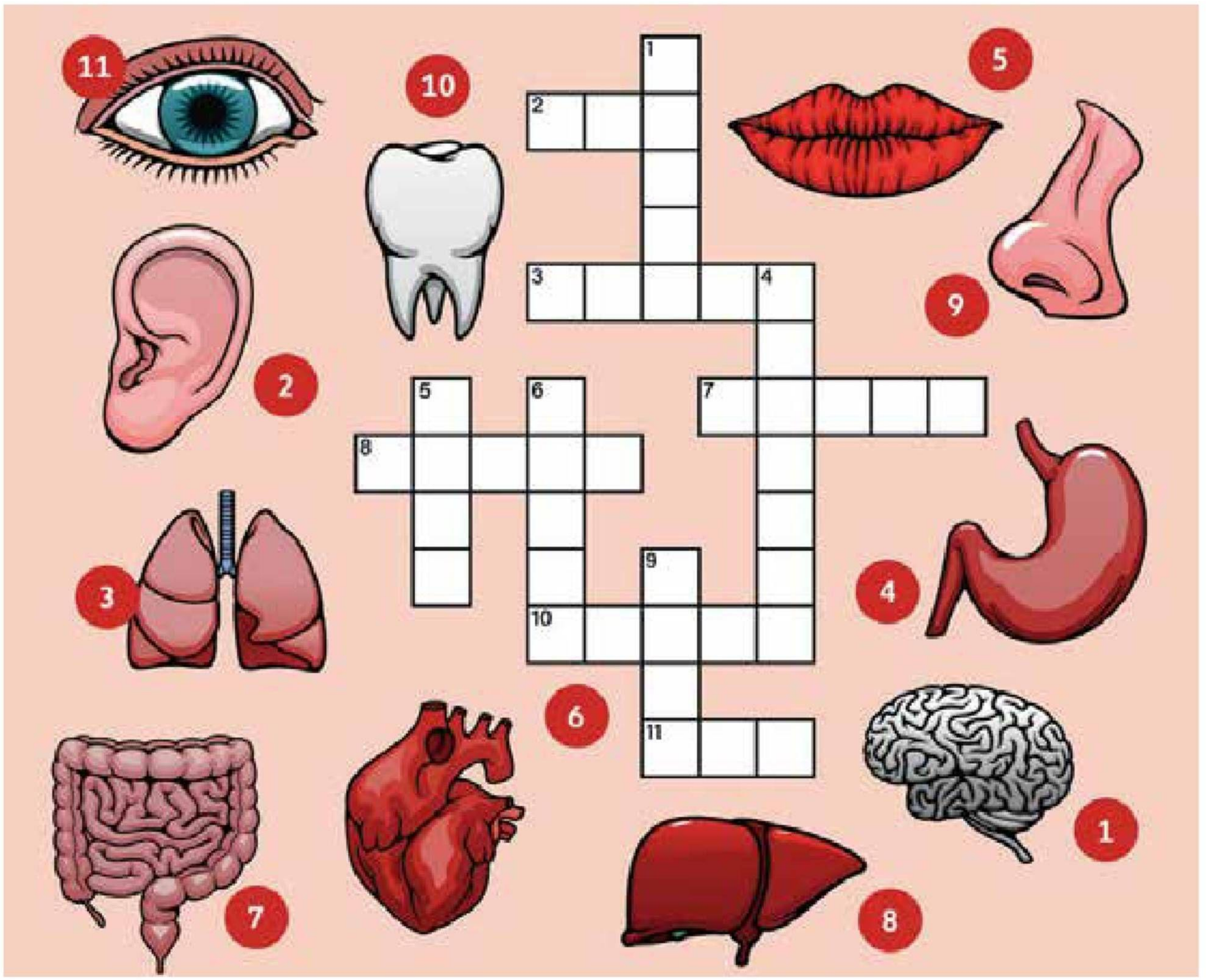

उत्तर - पेज 34 पर

कैनवास

जन्माष्टमी विशेष
26 अगस्त

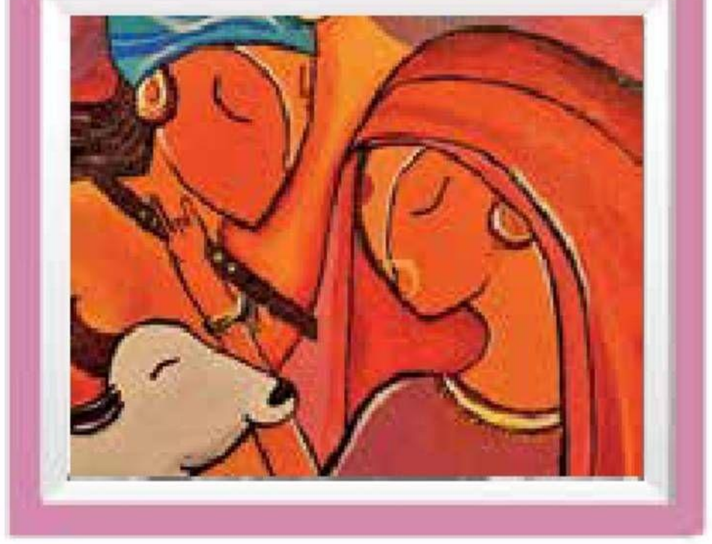

अद्वैता कुमार, 11 साल
भोपाल(म.प्र.)

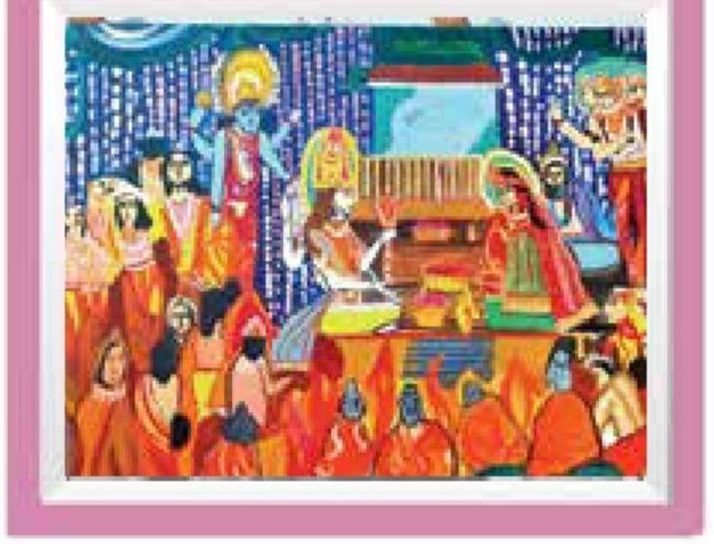

ब्रिजराज सिंह राठौर, 11 साल
अजमेर(राजस्थान)

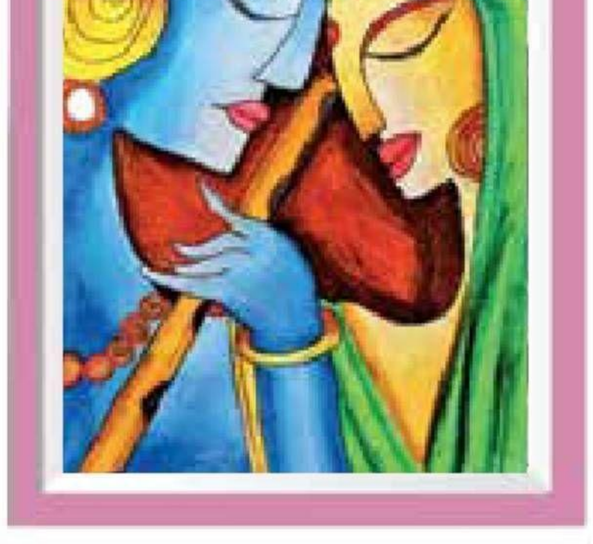

आद्या अगरवाल, 10 साल
भोपाल(म.प्र.)

मैथ पजल

दिए गए इस मैथ पजल को हल कीजिए और बन जाइए जीनियस।

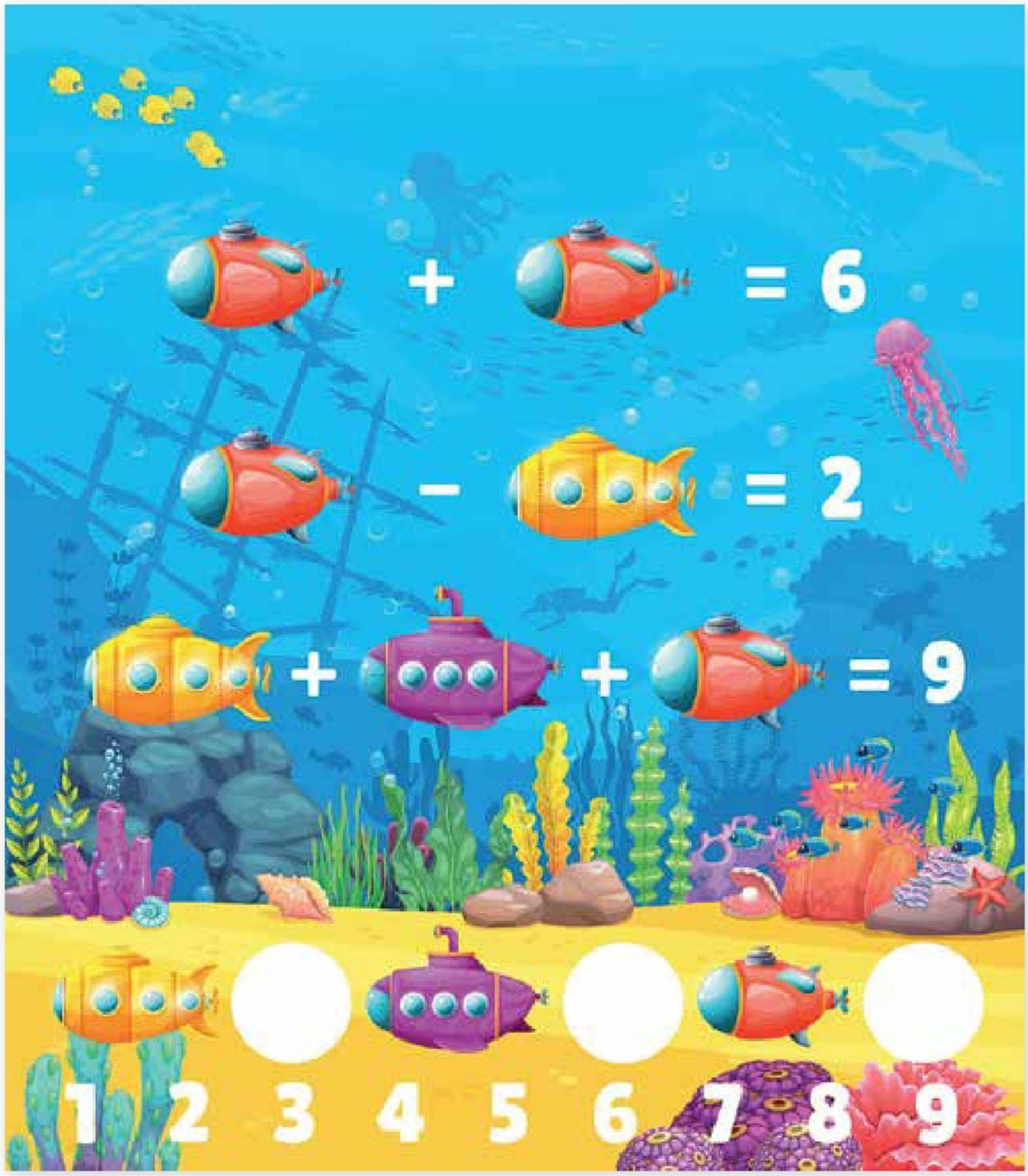

अगर - पेज 34 पर

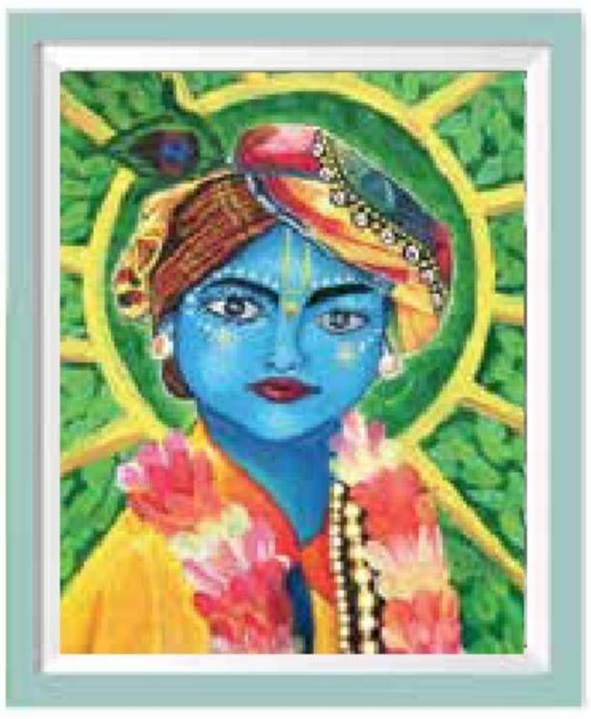

इशिता आनंद, 13 साल
भोपाल(म.प्र.)

आनवी परमार, 13 साल
शाजापुर(म.प्र.)

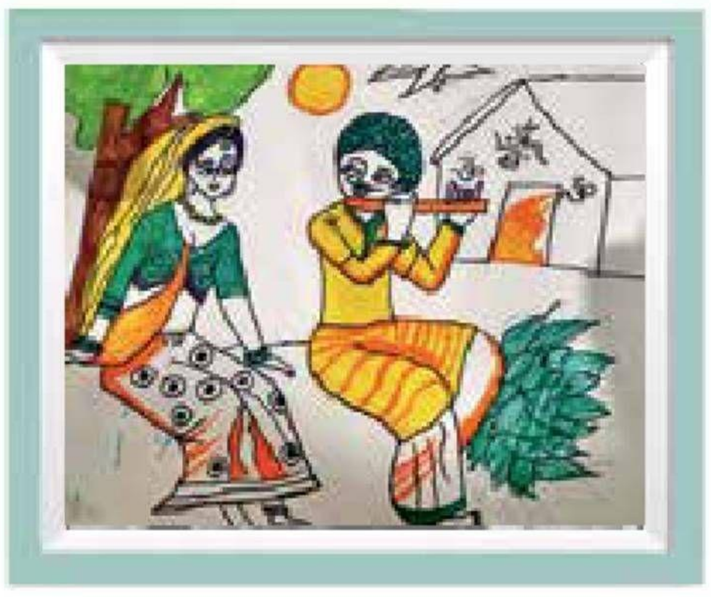

पांखुरी शर्मा, 9 साल
इंदौर(म.प्र.)

कहां छिपी हैं चीजें...

दिए गए इस चित्र के बाहर की चीजें इमेज के अंदर छिपी हुई हैं। बताइए तो वे कहां-कहां छिपी हैं, रंग अलग भी हो सकते हैं।

उत्तर - पेज 34 पर

आओ रंग भरते हैं

इस चित्र में जोड़ और घटाने के कुछ सवाल दिए गए हैं। इन्हें हल कीजिए और रंग भरकर चित्र को सुंदर बनाइए।

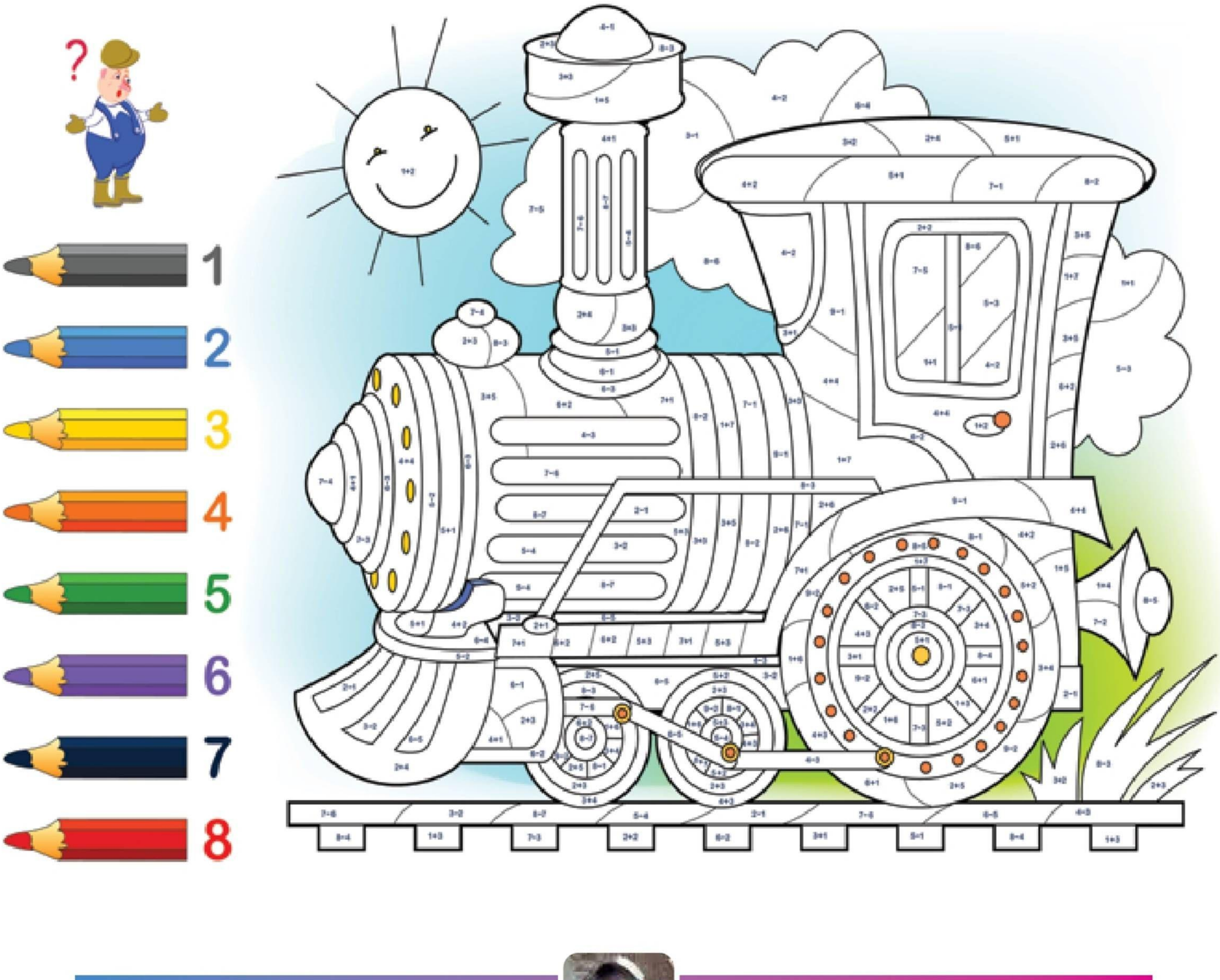

My क्रिएटिविटी Winner

क्ले से बने कृष्ण जी

जयपुर (राजस्थान) की 14 साल की पायल मंडल ने रंग-बिरंगे क्ले से कृष्ण जी की यह मूर्ति बनाई है। इस क्रिएटिविटी के लिए आपको बहुत-बहुत बधाई।

रास्ता बताइए

चीनू, मीनू और रानू तीनों दोस्तों की भूल-भुलैया में रेस लगी है। बताइए तीनों में से बाहर निकलने में कौन कामयाब होगा।

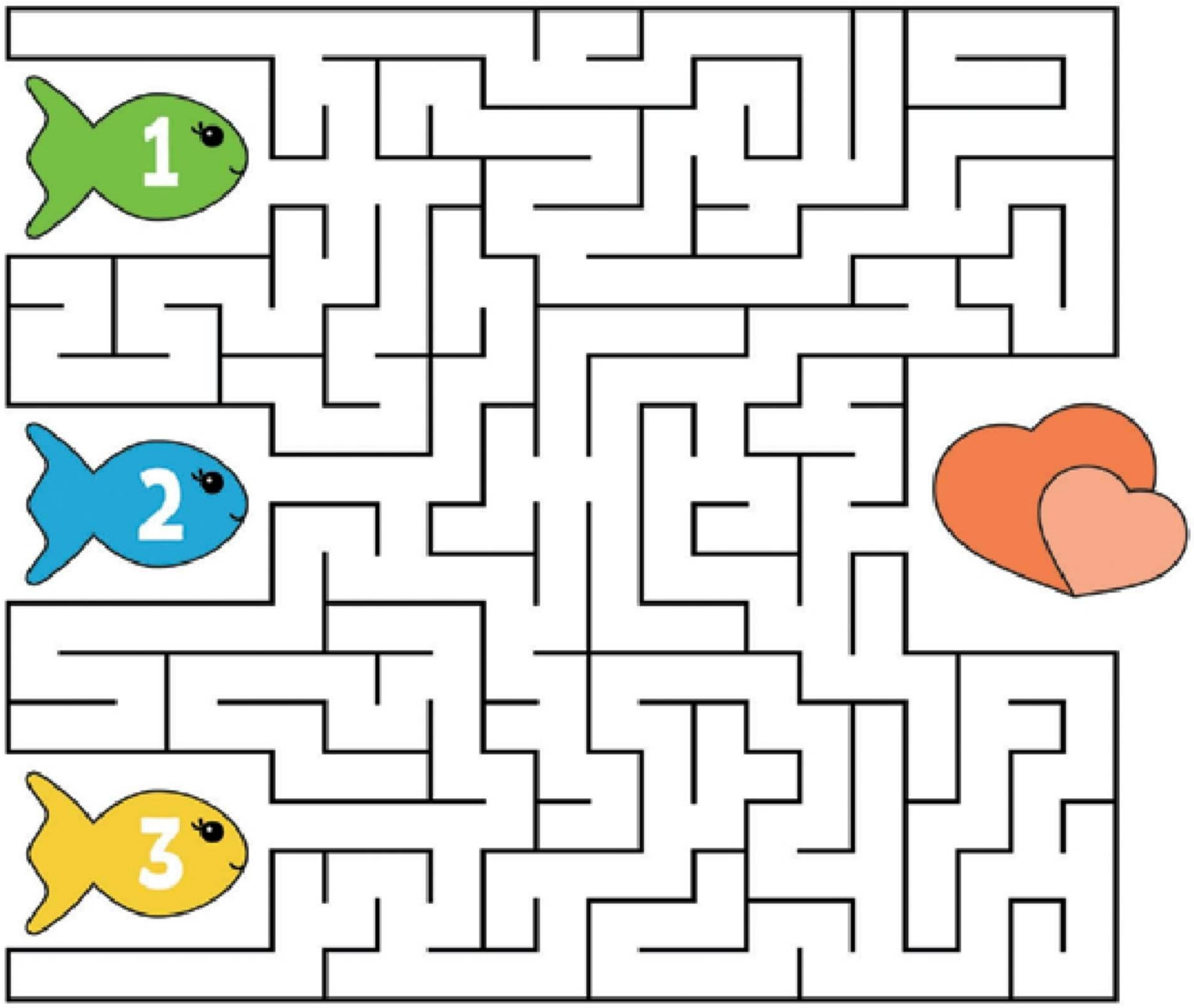

उत्तर - पेज 34 पर

कैनवास

जन्माष्टमी विशेष
26 अगस्त

कोपल, 14 साल
गुना(म.प्र.)

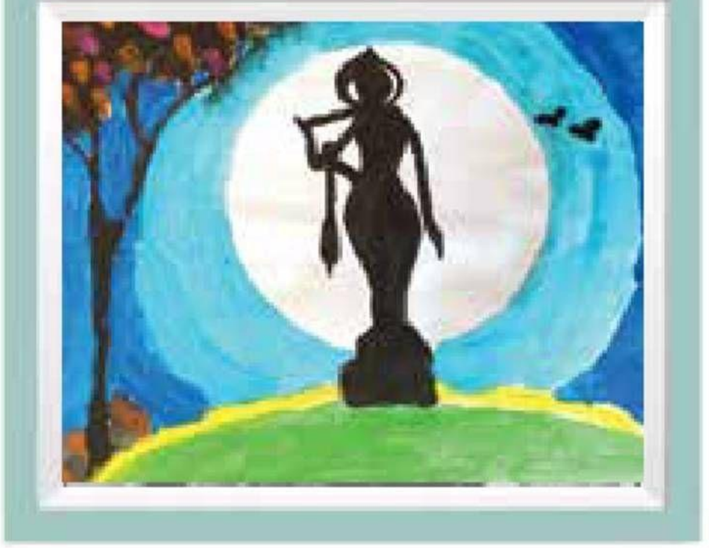

विस्तारा गुर्जर, 9 साल
अलवर(राजस्थान)

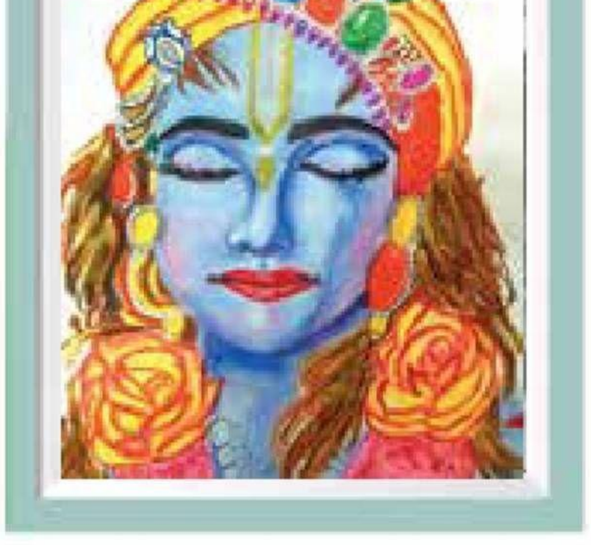

प्रतीक नायक, 13 साल
इंदौर(म.प्र.)

एनिमल वर्ड सर्च

इस वर्ड सर्च के बाहर कुछ जानवरों के नाम दिए गए हैं। इनको ढूंढकर बताना है। तो हो जाइए शुरू-

z	e	u	f	f	z	e	b	r	a	e	t	j	c	q	s	h	e	c	t
a	l	l	i	g	a	t	o	r	q	l	d	v	m	l	o	p	k	k	p
n	g	q	g	b	e	a	r	w	k	e	q	g	b	w	o	n	b	r	u
z	d	l	e	o	p	a	r	d	a	p	x	t	r	q	p	p	e	h	m
c	h	p	m	e	o	j	o	p	n	h	v	i	y	n	i	t	a	i	a
e	l	a	o	d	z	a	c	a	g	a	q	g	k	j	v	l	v	n	g
b	i	n	n	m	l	g	a	n	a	n	f	e					e	o	i
z	o	t	k	w	l	u	m	d	r	t	l	r					r	c	r
k	n	h	e	m	a	a	e	a	o	q	t	o					k	e	a
l	b	e	y	c	m	r	l	y	o	y	s	r					y	r	f
y	h	r	y	v	a	q	c	q	w	o	l	f	e	t	s	b	x	o	f
t	x	l	e	r	q	c	r	o	c	o	d	i	l	e	x	d	h	s	e

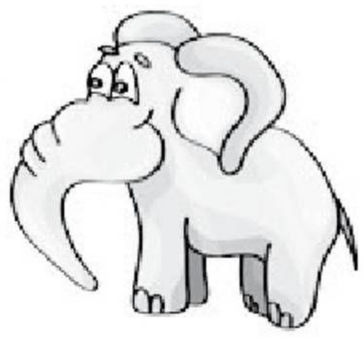

उत्तर - पेज 34 पर

- **ALLIGATOR**
- **BEAR**
- **CAMEL**
- **ELEPHANT**
- **KANGAROO**
- **LEOPARD**
- **LION**
- **MONKEY**
- **PANDA**

शिविका, 11 साल
पंचकुला(हरियाणा)

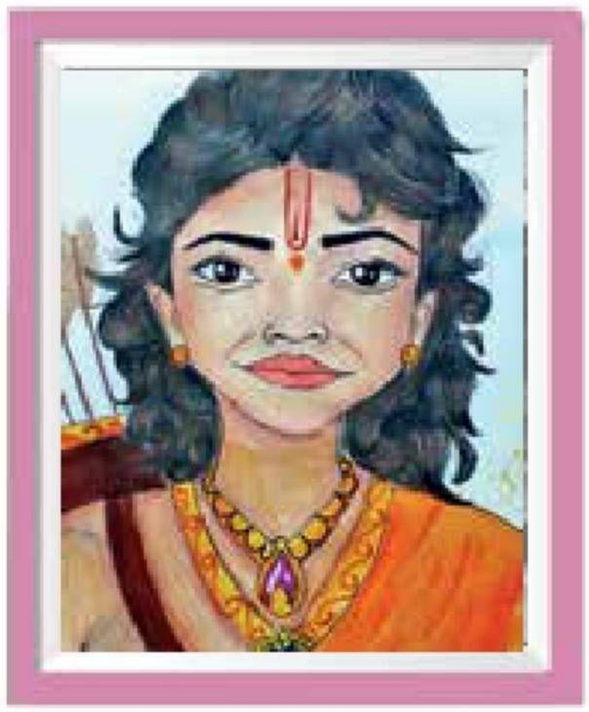

ख्वाइश राठौर, 11 साल
जयपुर(राजस्थान)

जुआना शर्मा, 12 साल
जयपुर(राजस्थान)

सलाह

अंशु गुप्ता
क्लीनिकल सायक्लॉजिस्ट
भोपाल(म.प्र.)

मैं सातवीं कक्षा में पढ़ता हूं। मुझे ज्यादा पावर का चश्मा लगा है। मेरी मां का कहना है कि मुझे स्क्रीन की लत लग गई है, क्योंकि मेरा काफी समय टीवी और मोबाइल में जाता है। मैं क्या करूं?

एक स्टूडेंट

आज के दौर में टीवी और मोबाइल हमारी जरूरत बन गए हैं। ये सूचना और मनोरंजन के मुख्य साधन भी हैं। लेकिन जब किसी भी चीज का इस्तेमाल हमारे स्वास्थ्य और समय को नुकसान पहुंचाने लगे, तो निश्चित तौर पर सचेत होने की ज़रूरत है।

स्क्रीन टाइम का दुष्प्रभाव हमारी आंखों के साथ पूरे शरीर, दिमाग, नींद, खाने-पीने की आदत और सामाजिक मेलजोल पर भी पड़ता है। स्वास्थ्य और समय के अनुसार प्राथमिकता तो आपको तय करनी ही होगी।

- सबसे पहले आप ये देखें कि कब-कब आपका स्क्रीन टाइम होता है।
- फिर आप अपनी अन्य पसंदीदा गतिविधियों की एक लिस्ट तैयार करें। इसमें आउटडोर गेम्स को ज़रूर शामिल करें।
- समय के अनुसार आप स्क्रीन की जगह इस लिस्ट की गतिविधियों को चुनें।
- पढ़ाई के लिए ऐसी जगह तय करें जो टीवी से दूर हो। घर में किसी बड़े की सहायता लें और उनकी मनाही को अपने हित के रूप में और स्क्रीन टाइम कम करने के लिए सहायता के रूप में देखें।

आप भी अपने सवाल हमें वॉट्सएप या ईमेल पर भेज सकते हैं।
814 186 6633
Email: **balbhaskar@dbcorp.in**

नंबर सुडोकू

दिए गए इन नंबर सुडोकू को हल कर बन जाइए जीनियस।

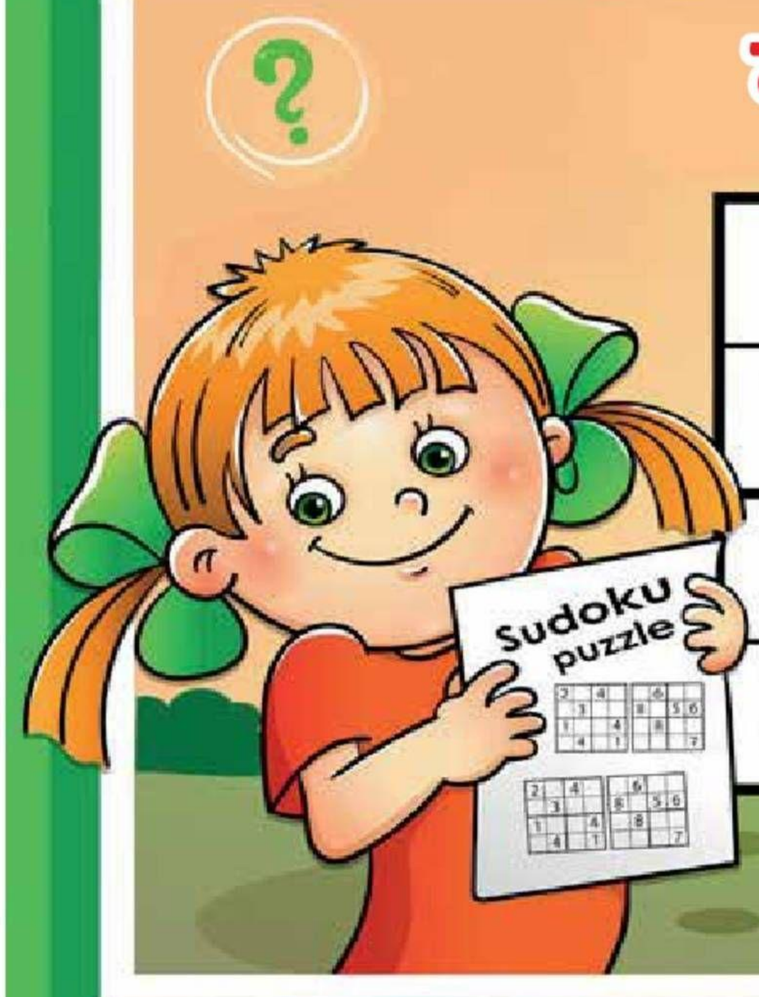

	4		1
1			4
	3		
2		4	

			7
	8		
8		6	5
	5		

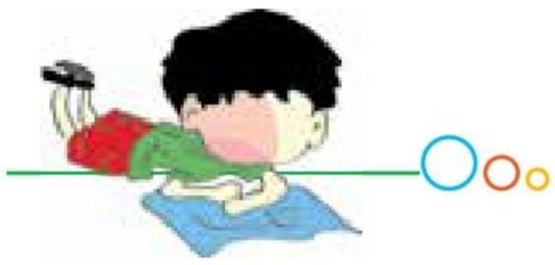

वर्ग पहेली

अमित भिमटे, भोपाल (म.प्र.)

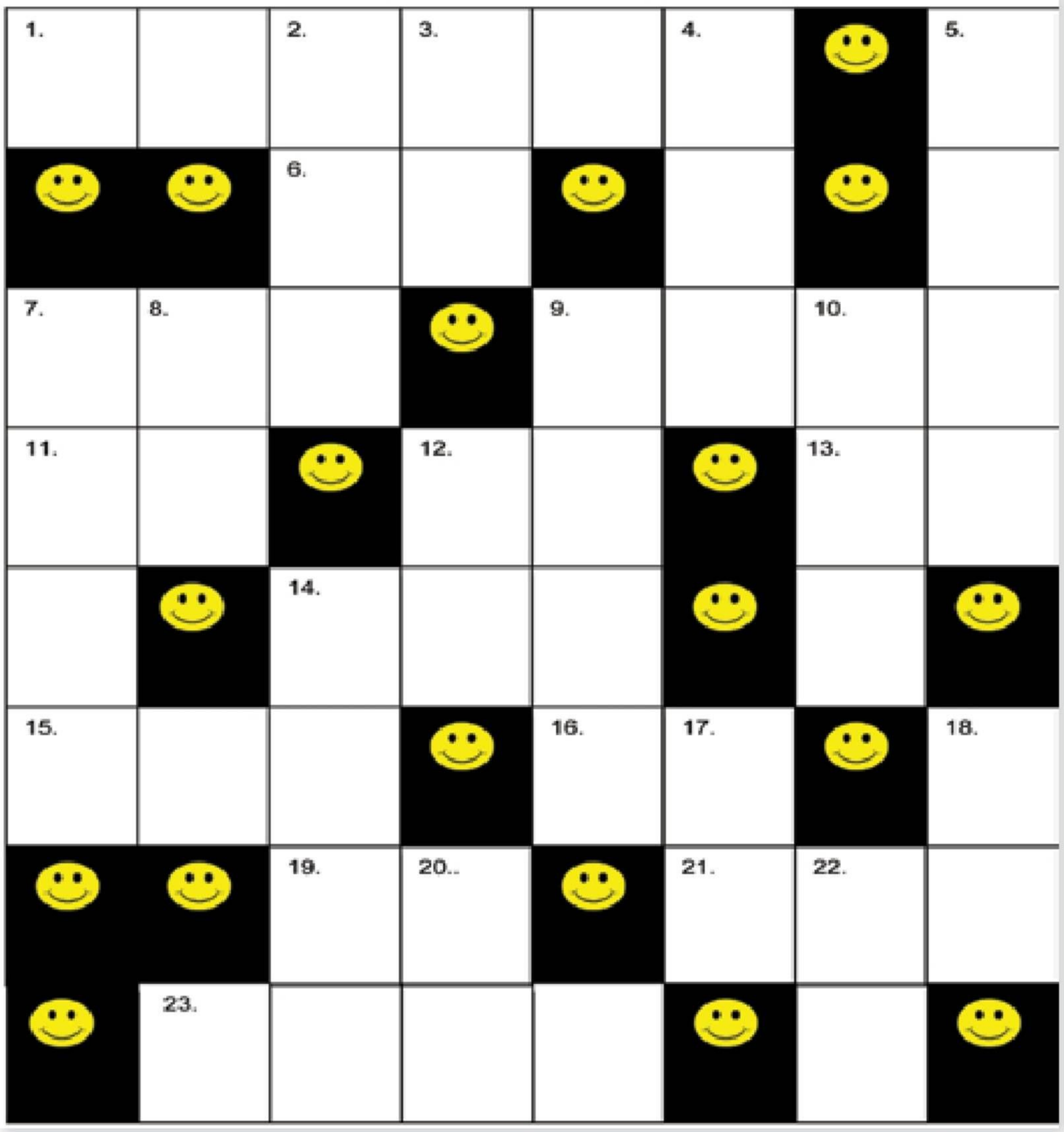

ऊपर से नीचे

2. तरंग, कंपन (3)
3. रसीद, (अंग्रेजी) (2)
4. फ्रूट जूस की एक कंपनी का नाम, वास्तविक (अंग्रेजी) (3)
5. एकटक (4)
7. खारा, नमक मिला हुआ (4)
8. समूह, लोक, जनता (2)
9. वह विष जो भगवान शिव ने गले में धारण किया था (4)
10. वर्तमान भारतीय क्रिकेट टीम का एक प्रसिद्ध खिलाड़ी (3)
12. जिसकी आंख खराब हो (2)
14. व्यंजन, खाने-पीने की वस्तु (4)
17. कविता लिखने वाला (2)
18. श्रवण इंद्री (2)
20. भारतीय क्रिकेटर का निक नेम जिसने वर्ल्ड कप में बहुत अच्छा प्रदर्शन क्रिया था (2)
22. जानकार (2)

बाएं से दाएं

1. देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री का नाम(6)
6. खेती का एक उपकरण, उपाय(2)
7. निगाह, दृष्टि(3)
9. इधर-उधर हिलना(4)
11. शरीर का वह हिस्सा या प्रक्रिया है जो किसी बात को ग्रहण करने, सोचने और समझने का कार्य करता है (2)
12. एक रंग जिसका उपयोग विरोध प्रकट करने के लिए किया जाता है (2)
13. अधिकार, दावा (2)
14. शरण (3)
15. स्वर्ग का विलोम शब्द (3)
16. भाग्य (अंग्रेजी) (2)
19. हवा, पवन (2)
21. जीव जगत और भौतिक जगत के अध्ययन का शास्त्र, साइंस (3)
23. बहुत दान करने वाला, कर्ण इस नाम से भी जाना जाता था (4)

उत्तर - पेज 34 पर

तिब्बती चेरी का पेड़

पृथ्वी पर कई प्रकार के अजब-अनोखे पेड़-पौधे हैं। क्या आप एक ऐसे पेड़ के बारे में जानते हैं, जिसका तना (Stem) लाल-तांबे के रंग का होता है? आइए जानते हैं इसी के बारे में -

◆ तिब्बती चेरी का पेड़ अपनी लाल-तांबे जैसी छाल के लिए प्रसिद्ध है। चेरी नाम से आपको लग रहा होगा कि इसमें स्वादिष्ट फल होंगे, लेकिन यह खाने योग्य नहीं होता है।

◆ यह पश्चिमी चीन और तिब्बत में ज्यादातर पाया जाता है।

◆ इसे 'ब्रिच बार्क चेरी' और 'पेपरबार्क चेरी' के नाम से भी जाना जाता है।

◆ पतझड़ में इसके पत्तों का रंग सुंदर पीले रंग का हो जाता है।

◆ यह बहुत तेजी से बढ़ने वाला पेड़ है और इसकी छाल बार-बार झड़ती रहती है, लेकिन अगर आप इसे हाथ से छीलेंगे तो यह नहीं निकलेगी।

◆ इसे सजावटी पेड़ माना जा सकता है, क्योंकि इसे ज्यादातर सुंदरता के लिए पार्कों और शहरी क्षेत्रों में लगाया जाता है।

◆ यह पेड़ करीब 20 से 30 फीट लंबा और 6 से 9 मीटर चौड़ा होता है।

◆ वसंत ऋतु में पेड़ में सफेद फूल गुच्छे में खिलते हैं, जिसमें लाल रंग के छोटे-छोटे गोल फल लगते हैं।

बाल भास्कर
23 अगस्त 2024

तीन मछलियां

एक नदी के किनारे एक बड़ा तालाब था, जो काई से भरा होने के कारण मछलियों की पसंदीदा जगह थी। यहां तीन मछलियों का एक झुंड रहता था। उनमें से ईशा, परेशानियों का बिना डरे समाधान खोजने में विश्वास करती थी, जबकि मिशा सोचती थी कि जब संकट सामने ही आ जाए, तब अपने बचाव की सोचो और दिशा का सोचना था कि कितने भी प्रयास कर लो भाग्य को नहीं बदला जा सकता।

एक शाम, निराश मछुआरे घर लौट रहे थे क्योंकि उनके जाल में बहुत ही कम मछलियां फंसी थीं। तभी उनके ऊपर से पक्षियों का एक झुंड गुजरा, जिनके मुंह में मछलियां भरी हुई थीं। उन्हें देखकर मछुआरों को आस-पास तालाब होने का संकेत मिला और उन्होंने उस तालाब को ढूंढ निकाला। मछलियों से भरे तालाब को देखकर उन्होंने अगले दिन आकर जाल डालने की योजना बनाई।

मछुआरों की बात सुनकर ईशा ने तुरंत ही तालाब छोड़कर नदी में चले जाने का निर्णय लिया, जबकि मिशा ने कहा कि जब मछुआरे आएंगे, तब देखेंगे, अभी से क्यों परेशान होना। दिशा ने अपने स्वभाव के अनुरूप कहा कि अगर भाग्य में मरना लिखा है तो क्या किया जा सकता है ! ईशा उसी समय तालाब से चली गई।

अगले दिन जैसे ही मछुआरे आए, मिशा अपनी जान बचाने के लिए एक मरे हुए ऊदबिलाव की लाश के अंदर चली गई और उसके शरीर से भी सड़े मांस की बदबू आने लगी। मछुआरों ने उसे मरा जानकर छोड़ दिया। लेकिन भाग्य के सहारे रहने वाली दिशा ने कोई प्रयास नहीं किया और बाकी मछलियों के साथ जाल में फंस गई।

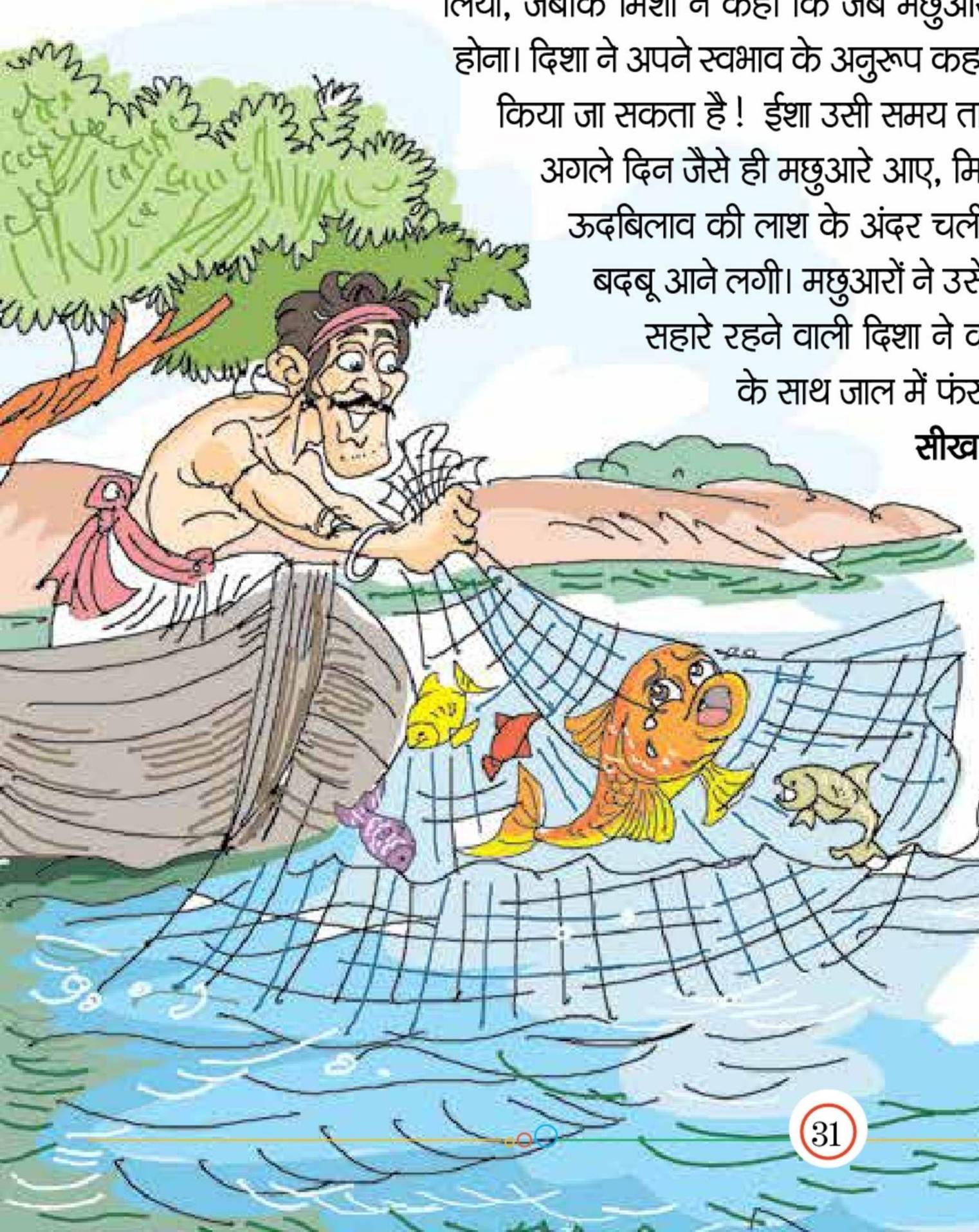

सीख - पंचतंत्र की यह कहानी यह सीख देती है कि सफलता उन्हीं को मिलती है, जो प्रयास करते हैं। जो भाग्य के भरोसे बैठे रहते हैं, उनका विनाश निश्चित है। ▪ ▪

डेंगू फीवर

डेंगू बुखार, जो कि एडीस प्रजाति के मच्छरों से फैलता है। आइए जानते हैं इसके लक्षण, कारण और सावधानियों के बारे में ताकि आप उससे सुरक्षित रह सकें-

डेंगू बुखार क्या है?

डेंगू फीवर एक वायरस के कारण होता है, जो मच्छरों द्वारा फैलता है। इसे हड्डीतोड़ बुखार (Breakbone fever) भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें मरीज को हड्डी टूटने जैसा दर्द होता है।

डेंगू के सामान्य लक्षणः

1. मांसपेशियों (Muscles) और जोड़ों (Joints) में बहुत दर्द होना।
2. तेज बुखार
3. बहुत तेज सिर दर्द।
4. आंखों का लाल होना और दर्द होना।
5. शरीर पर लाल निशान पड़ना, जो थोड़े समय बाद ठीक होने के बाद दुबारा वापस भी आ जाते हैं।
6. उल्टी और चक्कर आना या महसूस होना।

सावधानियां और बचाव

1. अपने रहने की जगह और उसके आसपास के इलाकों में सम्पूर्ण स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए, ताकि मच्छरों को दूर रखा जा सके।
1. किसी जगह पर रुके हुए पानी में मच्छर पनप सकते हैं और इसी से डेंगू भी फैल सकता है। जिन बर्तनों का लंबे समय तक उपयोग नहीं होना हो, उनमें रखे हुए पानी को नियमित रूप से बदलते रहें। गमलों के पानी को हर हफ्ते बदलें।

1. चूंकि डेंगू मच्छर के काटने से फैलता है, इसलिए मच्छरों से बचाव के लिए जब भी आप घर से बाहर निकलें, मच्छर से बचाव वाली क्रीम का उपयोग करें और साथ ही सोने से पहले मच्छरदानी भी जरूर लगाएं।

यदि आप ऊपर बताए गए डेंगू के किसी भी लक्षण को देखते हैं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और उनके द्वारा बताए गए उपचारों का निर्देशानुसार पालन करें।

चलो प्ले हाउस बनाएं

जय और विजय अपने लिए प्ले हाउस बना रहे हैं। इनके इस चित्र में रंग भरकर 10 दिनों में हमें भेज दीजिए।

आपको मिलेंगे
आकर्षक उपहार,
तो जल्दी कीजिए।

बाल भास्कर
चित्र बनाओ रंगों से सजाओ
प्रतियोगिता-05
7-14 साल के बच्चों के लिए

नाम.....उम्र.....
पता .....
....
.....पिन.....मोबाइल.....

बाल भास्कर दैनिक भास्कर
6-द्वारका सदन प्रेस कॉम्पलेक्स,
जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल(म.प्र.)

email- balbhaskar@dbcorp.in
आप अपनी एन्ट्रीज हमें वाट्सएप भी कर सकते हैं **814 186 6633**

चित्र बनाओ
रंगों से सजाओ
प्रतियोगिता-03
के विजेता

ऋषि राज, 13 साल, जींद(हरियाणा)

केया परमार, 8 साल, भिलाई(छ.ग.)

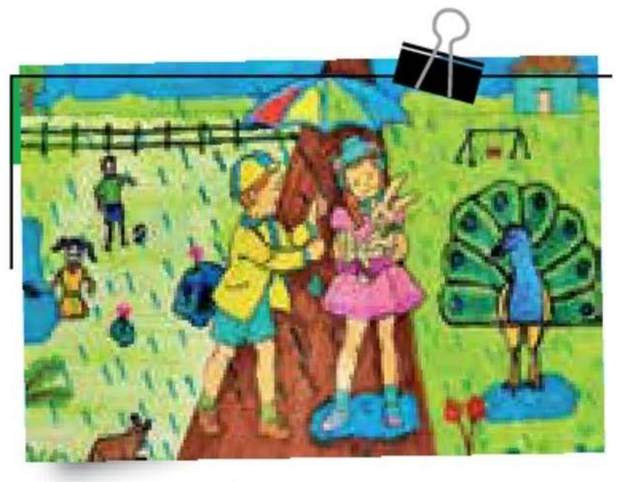

संस्कृति बिश्नोई, 10 साल, जोधपुर(राजस्थान)

उत्तर

क्विज पेज 03

1. (अ)
2. (ई)
3. (इ)
4. (आ)
5. (आ)
6. (ई)

क्रॉसवर्ड पूरा कीजिए पेज 22

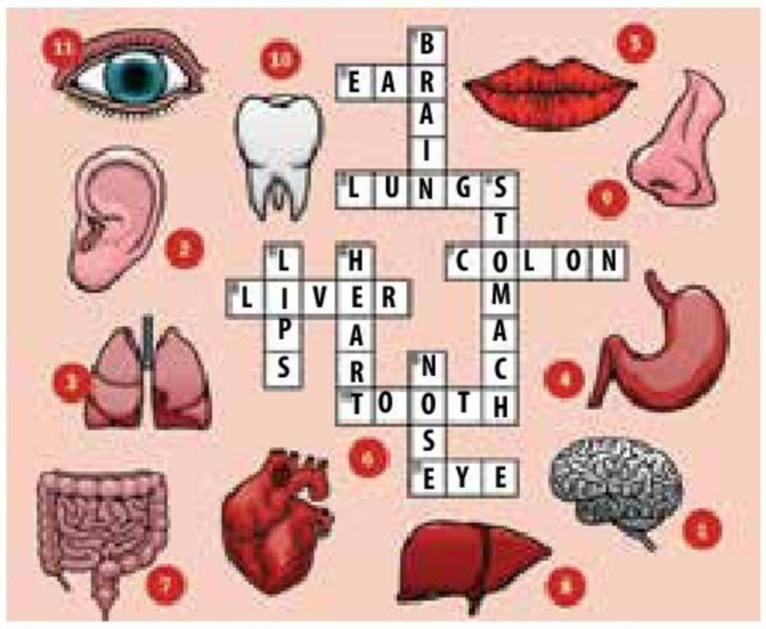

वर्ग पहेली पेज 29

1. अ	ट	2. ल	3. बि	हा	4. री	☺	5. अ
☺	☺	6. ह	ल	☺	य	☺	प
7. न	8. ज	र	☺	9. ह	ल	10. च	ल
11. म	न	☺	12. का	ला	☺	13. ह	क
की	☺	14. प	ना	ह	☺	ल	☺
15. न	र	क	☺	16. ल	17. क	☺	18. का
☺	☺	19. वा	20. यु	☺	21. वि	22. ज्ञा	न
☺	23. दा	न	बी	र	☺	ता	☺

पहेलियां पेज 06

1. गोडावण/ सोन चिरैया
2. बाज
3. बत्तख
4. कोयल
5. सारस
6. नील कंठ

मैथ पजल पेज 23

रास्ता बताइए पेज 26

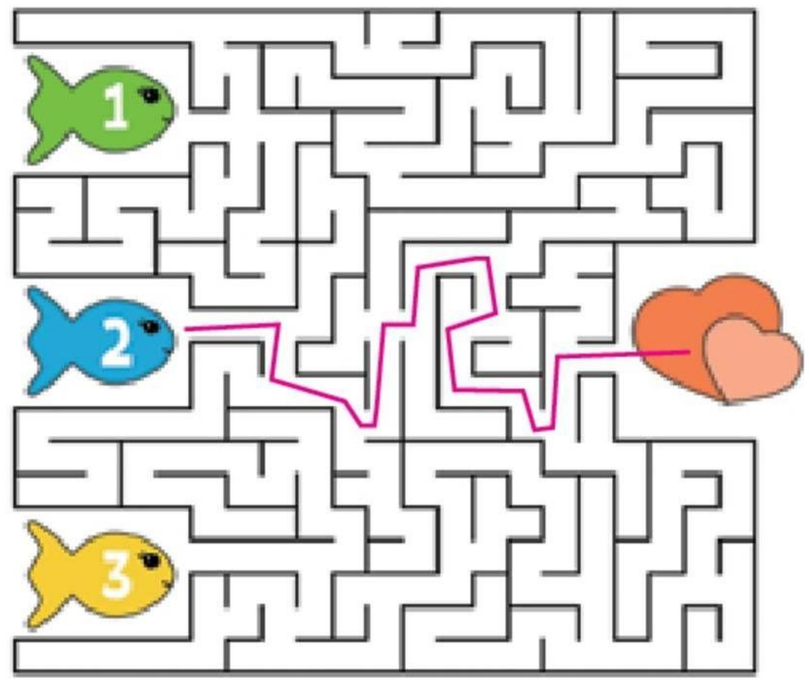

कहां छिपी हैं चीजें... पेज 24

शब्दों का पिटारा पेज 14

1. मासिक
2. त्रैमासिक
3. पाक्षिक
4. मृदुभाषी
5. मितभाषी
6. आयोजक
7. देशभक्त
8. अनुवाद
9. साप्ताहिक
10. पठनीय
11. मितव्ययी
12. अभ्यास
13. जिज्ञासा
14. ग्रामीण

एनिमल वर्ड सर्च पेज 27

z	e	u	f	f	z	e	b	r	a	e
a	l	l	i	g	a	t	o	r	q	l
n	g	q	g	b	e	a	r	w	k	e
z	d	l	e	o	p	a	r	d	a	p
c	h	p	m	e	o	j	o	p	n	h
e		a	o	d	z	a	c	a	g	a
b		n	n	m	l	g	a	h	a	n
z	o	t	k	w	l	u	m	d	r	t
k	n	h	e	m	a	a	e	a	o	q
l	b	e	y	c	m	r	l	y	o	y
v	h	r	v	v	a	o	c	o	w	o

नंबर सुडोकू पेज 28

3	4	2	1
1	2	3	4
4	3	1	2
2	1	4	3

5	6	8	7
7	8	5	6
8	7	6	5
6	5	7	8

बाल भास्कर
23 अगस्त 2024

ड्रोनब्रेला

मार्केट में अलग-अलग तरह के इलेक्ट्रॉनिक और बैटरी से ऑपरेट होने वाले छाते तो आ ही चुके हैं। इस बार आपको बता रहे हैं एक ऐसे छाते के बारे में, जिसे बिना पकड़े ही आप अपने साथ ले जा सकते हैं। आइए जानते हैं-

- ये छाता किसी मैजिक से कम नहीं है। इसे पकड़ने की जरूरत नहीं होती, बल्कि ये खुद अपने ऑनर को फॉलो करता है।
- जापान की एक कंपनी द्वारा इसे तैयार किया गया है।
- इस छाते को ड्रोन का उपयोग कर बनाया गया है, जिसके चलते इसे ड्रोनब्रेला का नाम दिया गया है।
- इस छाते को एप के द्वारा मोबाइल से कंट्रोल किया जाता है।
- इसमें ड्रोन के साथ एक सेंसर लगाया गया है, जो कनेक्टेड डिवाइस या मोबाइल को फॉलो करता है।

- इस छाते में रिचार्जेबल बैटरी लगी है। जैसे ही ड्रोन की बैटरी डिस्चार्ज होगी, छाता काम करना बंद कर देगा।

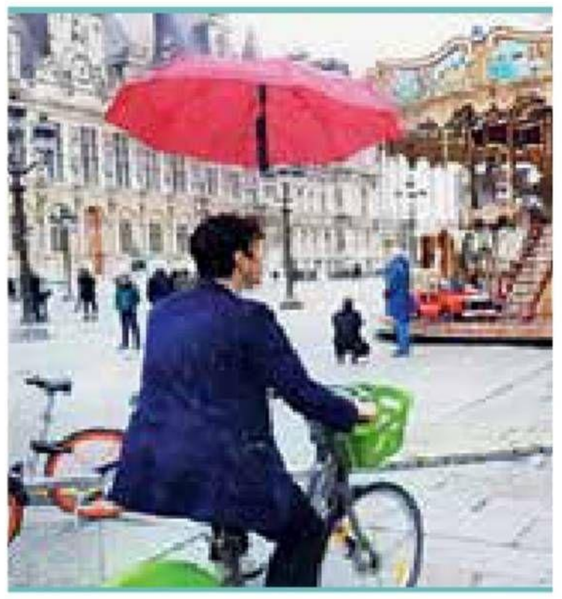

ऐसा क्यों होता है?

छुईमुई के पत्ते हाथ लगाने पर मुरझा क्यों जाते हैं?

♣ छुईमुई के पौधे को जैसे ही हम हाथ लगाते हैं, इसकी पत्तियां सिकुड़ जाती हैं और थोड़ी देर बाद अपने आप ही फिर से पहले जैसी हो जाती हैं।

♣ अपने इस गुण के कारण ये कई बार पशुओं का भोजन बनने से भी बच जाते हैं, क्योंकि जानवरों के स्पर्श से ये मुरझा जाते हैं। इस पौधे का बॉटनिकल नाम 'मिमोसा प्यूडिका' (Mimosa pudica) है।

♣ वैज्ञानिकों के अनुसार इस पौधे की पत्तियां कई कोशिकाओं (Cells) से बनी होती हैं, जिनमें द्रव (Liquid) भरा रहता है।

♣ कोशिकाओं में मौजूद इस लिक्विड में जैसे ही थोड़ी-सी हलचल होती है, वैसे ही इसका दाब कम हो जाता है और ये मुरझा जाते हैं। इसी कारण से इसकी पत्तियां सिकुड़(Srink) जाती हैं। बारिश के मौसम में इस पौधे में बैंगनी, गुलाबी व नीले रंग के फूल खिलते हैं।

फैक्ट-पाइल

अजब भी - गजब भी

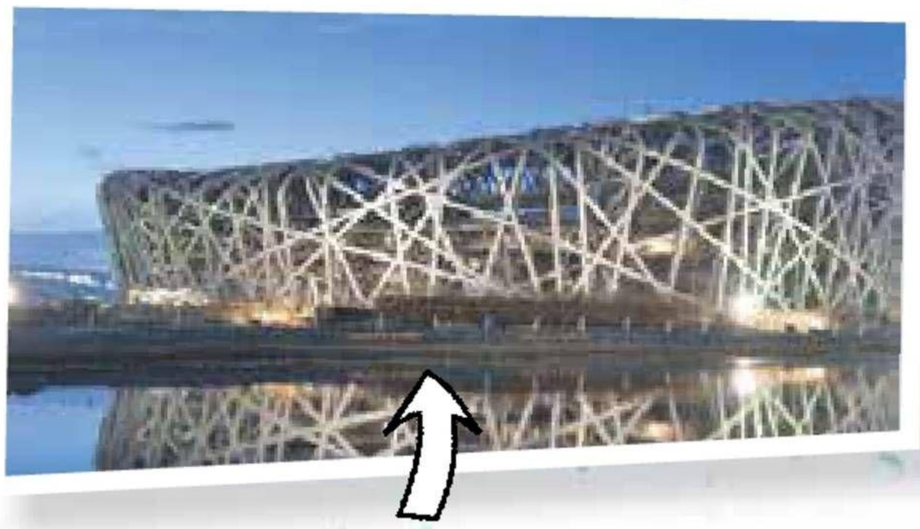

'बीजिंग नेशनल स्टेडियम' को पक्षी के घोंसले से प्रेरित (inspired) होकर बनाया गया है। इसे 'बड्र्स नेस्ट' भी कहा जाता है।

किसी से बात करते समय उसका नाम लेने से वह आपकी बात को ध्यान से सुनता है।

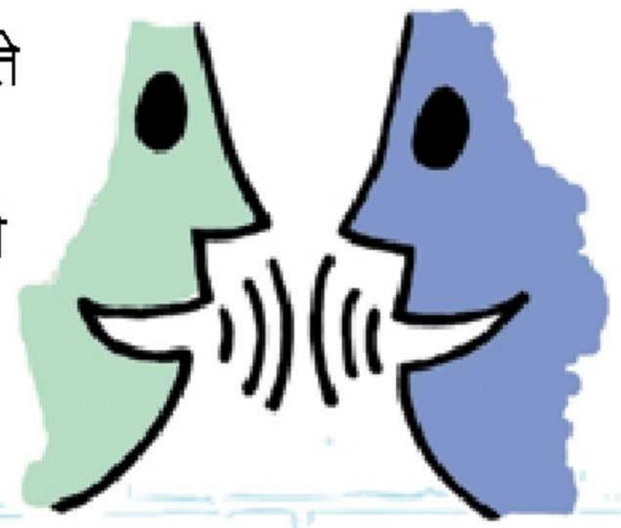

Education एक ऐसा word है जिसमें इंग्लिश के **vowels a, e, i, o, u** एक साथ आते हैं।

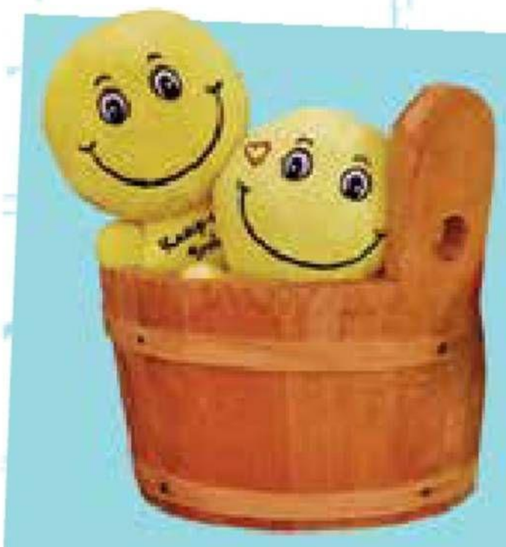

एक रिसर्च के अनुसार **मुस्कुराता चेहरा** ज्यादा सुंदर और आकर्षक लगता है।

कतर में सड़कों का रंग नीला होता है। नीले रंग के कारण तापमान को बैलेंस करने में मदद मिलती है। नीला रंग पर्यटकों को आकर्षित करने में भी मदद करता है।

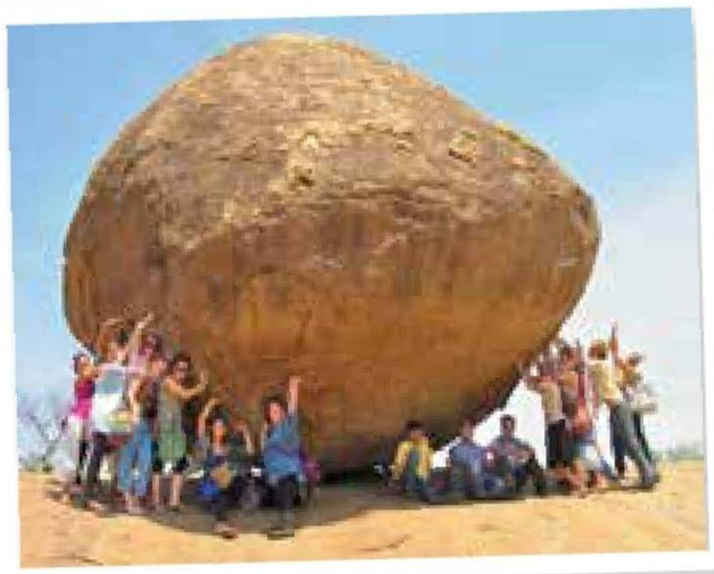

चेन्नई के महाबलीपुरम में कृष्णा बटर बॉल के नाम से प्रसिद्ध एक विशालकाय रहस्यमयी चट्टान है। यह चट्टान पिछले 1200 सालों से एक ढलान वाली पहाड़ी पर बिना लुढ़के टिकी हुई है।

जब आप Back शब्द बोलते हैं तो आपके होंठ (Lips) पीछे की ओर आते हैं, जबकि Forword बोलने पर आगे की ओर।

रंग-बिरंगी, सुंदर 'पूंछ'

पक्षी कई रंगों और आकार में पाए जाते हैं। किसी पक्षी की चोंच, तो किसी के पंख बहुत सुंदर होते हैं। आइए ऐसे ही कुछ पक्षियों के बारे में जानते हैं जिनकी पूंछ बहुत सुंदर और आकर्षक होती है-

लॉन्ग टेल्ड विडोबर्ड
(Long-Tailed Widowbird)

अंगोला, बोत्सवाना, कांगो, केन्या, दक्षिण अफ्रीका और जाम्बिया आदि देशों में पाए जाने वाले लंबी पूंछ वाले विडोबर्ड को सकाबुला (Sakabula) के नाम से भी जाना जाता है।

मेल पक्षी की खासियत इनकी लंबी और चौड़ी पूंछ है, जिसमें लगभग 12 से 15 पंख होते हैं।

यह एक मीडियम आकार का पक्षी है। नर पूरी तरह से काले होते हैं और उनके कंधे नारंगी और सफेद होते हैं, वहीं मादाओं के पंख भूरे और काले रंग के होते हैं तथा पीठ पर हल्के धब्बे भी होते हैं।

इन पूंछ के पंखों में 6 से 8 पंख लगभग आधा मीटर(करीब 20 इंच) तक लंबे होते हैं। यह लंबी पूंछ केवल नर पक्षियों में ही पाई जाती है।

इनकी चोंच नी ली - स फे द होती है।

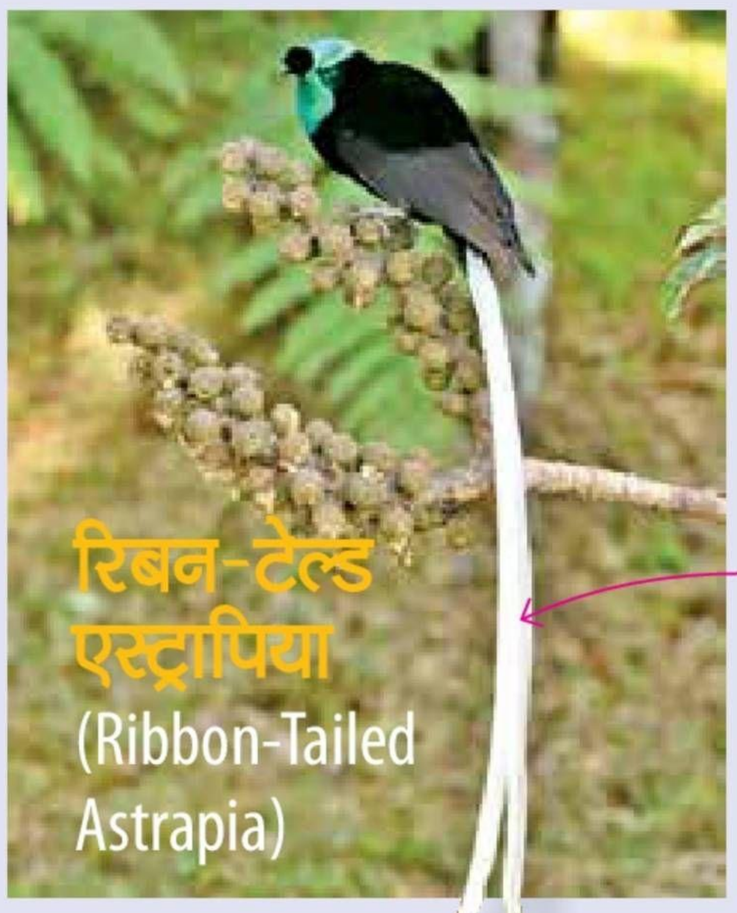

रिबन-टेल्ड एस्ट्रापिया
(Ribbon-Tailed Astrapia)

रिबन-टेल्ड एस्ट्रापिया पापुआ न्यू गिनी में पाया जाने वाला बर्ड ऑफ पैराडाइज है।

जैसा कि नाम से ही समझ आ रहा है, इनकी पूंछ रिबन जैसी लंबी होती है और इनकी संख्या दो होती है। यह लंबी पूंछ केवल नर पक्षी में ही पाई जाती है।

यह किसी भी पक्षी के शरीर के आकार की तुलना में सबसे लंबी होती है।

ये लंबी पूंछ सफेद रंग की होती है। इनके शरीर के ऊपर पंख गहरे हरे, नीले और बैंगनी रंग के होते हैं।

उनका शरीर लगभग 32 सेंटीमीटर लंबा होता है, जबकि पूंछ करीब 1 मीटर तक लंबी होती है।

विल्सन्स बर्ड-ऑफ-पैराडाइज
(Wilson's Bird-of-Paradise)

विल्सन्स बर्ड-ऑफ-पैराडाइज बहुत ही आकर्षक होते हैं। ये मुख्य रूप से इंडोनेशिया में पाए जाते हैं।

इसके बहुरंगी शरीर और सिर पर नीले मुकुट को देखकर नर पक्षी को आसानी से पहचाना जा सकता है। साथ ही इनकी बैंगनी रंग की बहुत ही अनोखी पूंछ होती है, जो गोल घुमावदार होती है।

इनकी पीठ और पंखों के सिरे लाल रंग के होते हैं, जबकि ऊपरी पंख और पूंछ भूरे-काले रंग के होते हैं।

मादा थोड़े हल्के रंग की होती है।

नीले रंग के मुकुट में पंख नहीं होते हैं।

रेड-बिल्ड स्ट्रीमरटेल
(Red-Billed Streamertail)

रेड-बिल्ड स्ट्रीमरटेल को डॉक्टर बर्ड या कैंची-पूंछ हमिंगबर्ड के नाम से भी जाना जाता है। यह हमिंगबर्ड की एक प्रजाति है।

ये पक्षी जमैका में मुख्य रूप से पाया जाता है और जमैका का राष्ट्रीय पक्षी भी है।

इनका शरीर लगभग 5 इंच लंबा होता है, इनकी पूंछ 6 से 7 इंच तक लंबी होती है।

मादाओं की पूंछ लंबी नहीं होती है।

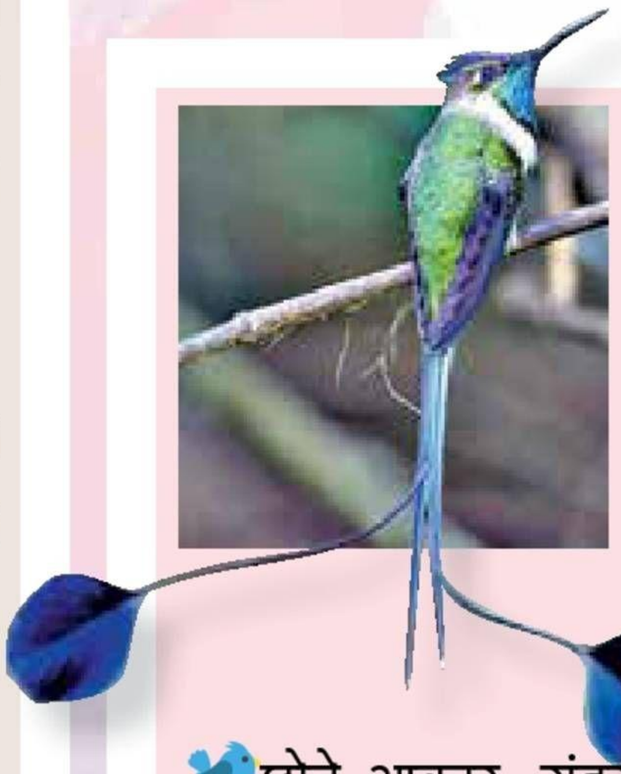

मार्वलस स्पैट्यूलेटेल
(Marvelous Spatuletail)

मार्वलस स्पैट्यूलेटेल नाम का यह पक्षी उत्तर पेरू में उक्टुबाम्बा नाम की एक छोटी नदी के आसपास पाया जाता है।

छोटे आकार, सुंदर लंबी चोंच और रंगीन पूंछ वाला यह पक्षी अपने पंखों को तेजी से फड़फड़ाते हुए एक अलग गुनगुनाहट की आवाज पैदा करता है, जो इसे बाकी पक्षियों से अलग बनाता है।

लगभग लुप्त हो चुकी Marvelous Spatuletail नाम की इस दुर्लभ प्रजाति की पूंछ बहुत ही अनोखी होती है।

नर की पूंछ में केवल चार पंख होते हैं, जिनमें से दो लंबे होते हैं। पंखों के सिरे पर बैंगनी रंग की डिस्क या पैडल होते हैं।

बोल-अनमोल

अपने लक्ष्य में सफल होने के लिए आपको सिर्फ और सिर्फ अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होना चाहिए।

समय इंसान को सफल नहीं बनाता, समय का सही इस्तेमाल इंसान को सफल बनाता है।

जीवन में खुश रहने का एक ही मंत्र है उम्मीद केवल खुद से कीजिए, किसी दूसरे इंसान से नहीं।

पहला कदम हमेशा मुश्किल होता है। हिम्मत करो और आगे बढ़ो, सब आसान लगने लगेगा।